देशबन्धु

वर्ष –10 । अंक–226 । सागर, शनिवार 4 अक्टूबर 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

सत्ता के नशे में चूर कुछ नेता विरासत को कर रहे नष्ट: पूर्व सांसद — पृष्ठ 2

- बाढ़ की समस्या का मुकाबला कैसे करें?
- समाचार मीडिया और गांधी — पृष्ठ 4

- अवैध शराब तस्करों को ग्रामीणों ने दबोचा, पुलिस के हवाले किया — पृष्ठ 6

अवैध संचालित वाहनों पर कार्रवाई, 3 वाहनों से साढ़े 6 हजार जुर्माना वसूला — पृष्ठ 8

सार-समाचार

कनाडा के उच्चायुक्त ने मुर्मू को सौंपा परिचय पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और कनाडा संबंधों में एक साल बाद अब धीरे-धीरे नरमी आ रही है। इसी बीच शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कनाडा के नए उच्चायुक्त क्रिस्टोफर कूटर से उनकी राजनयिक नियुक्ति की औपचारिक मान्यता स्वीकार की। यह नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब भारत और कनाडा के रिश्तों में एक साल बाद धीरे-धीरे सुधार की कोशिशें शुरू हुई हैं। बता दें कि पिछले साल अक्टूबर में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े आरोपों के बाद भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को कनाडा से वापस बुला लिया था और जवाब में कनाडा के भी कई राजनयिकों को भारत से निकाल दिया गया था।

युवा-केंद्रित पहलों का लोकार्पण करेंगे मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजधानी दिल्ली में शनिवार को 62,000 करोड़ रुपए से अधिक की युवा विकास पहलों का लोकार्पण करेंगे, जिससे देश भर में युवाओं को शिक्षा, कौशल और उद्यमिता की दिशा में बढ़ावा मिल सकेगा। इन युवा विकास पहलों के केंद्र में बिहार में युवा कौशल और शिक्षा को रखा गया है, जिसके अंतर्गत बिहार के पांच लाख स्नातकों को दो साल तक मासिक भत्ता, बिहार के छात्रों के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, जन नायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय का उद्घाटन, बिहार के चार विश्वविद्यालयों में नयी शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं की आधारशिला रखने के साथ ही बिहटा में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) पटना के नये परिसर के साथ ही कई अन्य योजनाओं की प्रधानमंत्री सौगात देंगे।

जल्द ही अपना राजनीतिक काम शुरू करेंगे खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अब स्वस्थ हो गए हैं और जल्द ही पार्टी की गतिविधियों के काम में लग जाएंगे। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार खरगे अब बिल्कुल स्वस्थ हैं और वह पहले की तरह पार्टी के काम में सक्रिय हो जाएंगे। डॉक्टरों ने उनको गुरुवार शाम को अस्पताल से छुट्टी दे दी थी। वह बेंगलुरु में मंगलवार से गुरुवार तक डॉक्टरों की देख-देख में रहे। पार्टी ने उनके स्वस्थ होने को लेकर यहां एक बयान में शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। वह स्वस्थ हैं और सभी को शुभकामना देने के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं।

चेन्नई पहुंचे श्रीलंकाई जेल से रिहा 15 मछुआरे

चेन्नई, एजेंसी। श्रीलंकाई जेल से रिहा हुए 15 मछुआरे चेन्नई हवाई अड्डे पहुंच गए हैं। इनमें से दो मछुआरों को 19 फरवरी को, सात को 13 जुलाई को, दो को 21 जुलाई को और चार को 8 अगस्त को सीमा पार से मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

कृष्णा जिले को चार स्वच्छ आंध्र पुरस्कार मिले

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले ने राज्य स्तर पर चार स्वच्छ आंध्र पुरस्कार जीते हैं। जिला कलेक्टर डीके बालाजी ने बताया कि यह पुरस्कार स्वच्छ आंध्र स्वर्णांध्र कार्यक्रम के तहत मिले हैं। पुरस्कारों में सबसे स्वच्छ ग्राम पंचायत (चल्लापल्ली), सबसे स्वच्छ किसान बाजार (मोव्वा), सबसे स्वच्छ हॉस्टल (बीसी हॉस्टल, दवाजिगुडेम), और सबसे स्वच्छ उद्योग (कृष्णा जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ) शामिल हैं। जिले ने विभिन्न श्रेणियों में जिला स्तर पर कुल 44 पुरस्कार भी प्राप्त किए। यह कार्यक्रम 2047 तक आंध्र प्रदेश को स्वर्णांध्र प्रदेश (सोने का राज्य) बनाने के लक्ष्य के साथ स्वच्छता और विकास को बढ़ावा देता है।

रिजर्व बैंक ने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक पर लगाया 31.8 लाख का जुर्माना

मुंबई, एजेंसी। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक पर निर्देशों का पालन न करने के कारण 31 लाख 80 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को बताया कि उसने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्पोरेशन को क्रेडिट कार्डधारकों को रिफंड और विफल या रिवर्स ट्रांजेक्शन से प्राप्त बैलेंस उनके खाते में न देने का दोषी पाया है। यह मामला पिछले साल नियमित जांच में सामने आया था। इसके बाद बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा गया था कि निर्देश का पालन न करने के लिए क्यों न उस पर जुर्माना लगाया जाये।

देशबन्धु ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी खबर

कर्नाटक में बंधक बनाए गए प्रदेश के मजदूर छुड़ाकर वापस लाए गए

मप्र के आदिवासी मजदूर कर्नाटक में बंधक बनाए गए

- वायरल वीडियो के बाद प्रकाशित खबर और प्रशासन की मेहनत रंग लाई
- दलाल पर अब तक नहीं हुई कार्रवाई

तेन्दूखेड़ा/दमोह, देशबन्धु। कर्नाटक में बंधक बने तेंदूखेड़ा ब्लॉक के मजदूरों को बंधक से मुक्त कराने में प्रशासन कामयाब हो गया है। इसके लिए कर्नाटक पुलिस प्रशासन की मदद ली गई थी, लेकिन अभी भी इन मजदूरों को रोजगार दिलाने के नाम पर कर्नाटक भेजने वाला एजेंट व ठेकेदार पर कार्रवाई नहीं हुई है।

मामला दमोह जिले के तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत मोहड़ का है, जहां से 20 मजदूर जो रोजगार की तलाश में एजेंट की मदद से काम की तलाश में कर्नाटक भेजे गए थे। यहां कर्नाटक के बीजापुर जिले में कार्य के दौरान बंधक बना लिए गए थे, इनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे, लेकिन अब वे सकुशल अपने घर लौट आए है। यह सफलता तब मिली जब मजदूरों ने वीडियो वायरल किया और **देशबन्धु** ने प्रथम पृष्ठ पर प्रमुखता से इस खबर को प्रकाशित किया एवं जिला प्रशासन ने पूरी मेहनत के साथ मजदूरों को वापस लाने प्रयास किया। जबलपुर रेलवे स्टेशन पर उन्हें लेने ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव सहायक सचिव सहित दमोह से प्रशासनिक टीम तथा परिजन पहुंचे। इस अवसर पर परिजनों सहित सभी लोग भावुक व प्रसन्न नजर आए। वीडियो वायरल होने और खबर के प्रकाशन के साथ ही प्रशासन भी तेजी से हरकत में आया और कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर और पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने तत्काल ही वहां केजिला प्रशासन से संपर्क किया था।

काल बना कफ सिरप

11 बच्चों की मौत के बाद जांच तेज

छिंदवाड़ा में 9 व राजस्थान में 2 बच्चों की ली जान

छिंदवाड़ा / नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश और राजस्थान में हाल ही में हुई बच्चों की मौतों को एक कफ सिरप से जोड़ा गया है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई, जबकि राजस्थान में 2 बच्चों की मौत दर्ज की गई।

कुल 11 मौतों के बाद सरकार की नोडल एजेंसी राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र ने जांच तेज कर दी है। छिंदवाड़ा के परासिया क्षेत्र में वायरल फीवर से ग्रस्त बच्चों की

24 अगस्त को सामने आया था पहला मामला

हालत बिगड़ने का सिलसिला जारी है। जिले में 3 और बच्चों की मौत हो गई, जिससे मृतकों की 9 पहुंच

स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

डायरेक्टर जनरल हेल्थ सर्विस डॉक्टर सुनीता शर्मा ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी की। बच्चों में होने वाली ज्यादातर खांसी की समस्या अपने आप ठीक हो जाती है और इसके लिए दवा की जरूरत नहीं पड़ती। 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खांसी या जुकाम की सिरप बिल्कुल न दें। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में भी इन दवाओं का उपयोग आम तौर पर ना करें। पांच वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों में सिरप तभी दें जब डॉक्टर सलाह दे।

तमिलनाडु फार्मा यूनिट जांच के दायरे में

दिल्ली और चेन्नई के कई ड्रग कंट्रोल अधिकारियों ने तमिलनाडु के संगुवरचाट्रम में एक फार्मास्यूटिकल फैक्ट्री के उत्पादन संयंत्र की जांच की। मध्य प्रदेश में कथित तौर पर नकली कफ सिरप पीने से कम से कम नौ बच्चों की मौत हो गई थी। जांच मध्य प्रदेश के राज्य खाद्य और औषधि नियंत्रक दिनेश कुमार मौर्य के अनुरोध पर शुरू की गई। उन्होंने तमिलनाडु राज्य ड्रग कंट्रोल विभाग से कहा कि वे कांचीपुरम स्थित श्रीसान फार्मास्यूटिकल फैक्ट्री का निरीक्षण करें और कार्रवाई करें।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर वायुसेना प्रमुख का खुलासा, कहा-

पाक के 5 फाइटर जेट किए तबाह

- पाकिस्तान खुद युद्धविराम के लिए आया आगे
- दुनिया को हमसे सीखने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर को हाल के वर्षों की सबसे महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई बताते हुए कहा कि इस ऑपरेशन ने भारत की मजबूत वायु रक्षा क्षमताओं और संयुक्त सेवा योजना को प्रदर्शित किया। वायुसेना प्रमुख ने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के पांच एफ-16 और जेफ-17 लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 300 किमी अंदर घुसकर हमला किया। पहलगाम अटैक के बाद हमने तय किया कि उन्हें इसकी कीमत चुकानी ही होगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से भारत के जेट गिराने के दावे सिर्फ मनोहर कहानियां जैसे हैं। अगर उनके पास कोई सबूत हैं तो दिखाएं। उन्होंने आगे कहा कि सेना को खुली छूट दी गई थी। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर तीनों सेनाओं के तालमेल का प्रतिबिंब था। इसके साथ ही वायुसेना प्रमुख ने बताया कि तीनों सेनाओं ने सुदर्शन चक्र वायु रक्षा प्रणाली पर काम करना शुरू कर दिया है।

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा कि सेना को खुली छूट दी गई थी। हमने सटीकता से हमला किया। बाद में पाकिस्तान खुद युद्धविराम के लिए आगे आया।

मुख्यमंत्री ने किसानों के खाते में भेजी साढ़े 6 करोड़ से अधिक की राहत राशि, बोले-

किसानों के चेहरों की मुस्कान ही हमारी असली दीवाली

- पहली बार मिला सोयाबीन में पीला मोजेक से हुए नुकसान का मुआवजा
- मुआवजा राशि मिलने से खाद-बीज खरीदना हुआ आसान

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों की सेवा ही भगवान की सेवा है। बाढ़ हो, आपदा हो, ओलावृष्टि हो या कीट प्रकोप हो, किसान भाई हर विपदा से लड़ते और जूझते हैं। किसान पर कोई भी विपदा या आपदा आए सरकार संकट की हर घड़ी में साथी बनकर किसानों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से कहा कि आप अकेले नहीं हैं, पूरा परिवार बनकर हम आपके साथ हैं। आपकी खुशी में ही प्रदेश की खुशी है। उन्होंने कहा कि हर प्रकार की आपदा और कीट प्रकोप से फसलों को हुई क्षति की राहत राशि किसानों को दी जाएगी। ये राहत राशि किसानों को बड़ा संबल देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब तक आखिरी पीड़ित किसान को सहायता राशि नहीं मिल जाती, हमारी सरकार चैन से नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि किसानों के चेहरों की मुस्कान ही हमारी असली दीपावली जैसी है। किसानों की मेहनत और जज्बा फिर से उनके खेतों को जीवन और समृद्धि से भर देगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में किसानों को प्राकृतिक आपदा और कीट प्रकोप से हुई फसल क्षति की राहत राशि वितरण कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों में बीते माहों में हुई अतिवृष्टि-बाढ़ और सोयाबीन में पीला मोजेक रोग से हुए फसल नुकसान के लिए 13 प्रभावित जिलों के 8 लाख 84 हजार 772 किसानों ▪ शेष पृष्ठ 5 पर

प्रभावित किसान बोले

राहत राशि मिलने से खत्म हुआ संकट

रतलाम जिले के किसानों को कुल 213.04 करोड़ रूपए की राहत राशि दी गई है। यहां के किसान भरतलाल जाट और प्रहलाद पाटीदार ने बताया कि अतिवृष्टि के कारण उनकी सोयाबीन फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई थी। उनके पास अगली फसल के लिए खाद और बीज खरीदने तक के लिए पैसा नहीं था लेकिन सरकार की राहत राशि मिलने से अब यह संकट खत्म हो गया है। जिले के जनप्रतिनिधियों ने बताया कि आगामी 10 अक्टूबर को रतलाम में किसान सम्मेलन आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं किसानों के बीच आयेंगे। नीमच जिले को अतिवृष्टि से सोयाबीन फसल को हुए नुकसान के लिए 119.06 करोड़ रूपए से अधिक की मुआवजा राशि दी गई। किसान राकेश पाटीदार और शंभुलाल अहीर ने कहा कि दशहरा और दीवाली के अवसर पर फसल ▪ शेष पृष्ठ 5 पर

भावांतर योजना लागू करने के लिए किसानों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहत राशि वितरण के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीड़ित किसानों से आत्मीय संवाद भी किया। संवाद के दौरान किसानों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने दशहरा एवं भव्य शस्त्र पूजन के आयोजनों एवं सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए भावांतर योजना लागू करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करते हुए अभिनंदन किया। किसानों ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने दीपावली से पहले ही हमारी दीपावली मनवा दी। हमें यह महसूस हो रहा है कि सरकार हमारे साथ है। पीला मोजेक की राहत राशि हमें पहली बार मिली। यह सच्चे अर्थों में किसान हितैषी सरकार ▪ शेष पृष्ठ 5 पर

केला किसानों को प्रति हेक्टेयर 2 लाख की राशि दी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर जिले के केला उत्पादक अतिवृष्टि प्रभावित किसानों को 3.39 करोड़ रूपए मुआवजा राशि दी गई है। किसान पांडुरंग बिट्ठल और विनोद पुंडलिक ने कहा कि यहां के केला उत्पादक किसानों को लगभग 2 लाख प्रति हेक्टेयर का मुआवजा दिया जा रहा है और इससे बड़ी राहत हो गई है। शहडोल जिले के सोयाबीन उत्पादक पीला मोजेक प्रभावित 8935 किसानों को 6.36 करोड़ रूपए मुआवजा राशि मिली है। किसान राजेन्द्र द्विवेदी और सुरेन्द्र सिंह राजपूत ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया। खंडवा जिले के सोयाबीन उत्पादक किसानों को ▪ शेष पृष्ठ 5 पर

मद्रास हाईकोर्ट ने विजय को लगाई फटकार, कहा-

भगदड़ के बाद गायब हो गए, इससे सोच पता चलती है

मदुरै, एजेंसी। मद्रास हाईकोर्ट ने करूर भगदड़ के मामले में टीवीके नेताओं को जमकर फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि पार्टी के मुखिया विजय भगदड़ के बाद मौके से फरार हो गए और पार्टी ने इस पर दुख तक जाहिर नहीं किया। इससे उनकी मानसिकता का पता चलता है। मद्रास हाईकोर्ट के मदुरै पीठ ने घटना की जांच के लिए आईपीएस अधिकारी असरा गर्ग की अगुआई में एक एसआईटी के गठन का आदेश दिया और टीवीके नेता बुस्सी आनंद और सीटीआर निर्मल कुमार द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिकाओं पर आदेश सुरक्षित रखा। अग्रिम जमानत से संबंधित सुनवाई में राज्य सरकार ने तर्क दिया कि भगदड़ पार्टी के कार्यकर्ताओं के कारण हुई थी और कहा कि नेताओं ने गैर जिम्मेदाराना व्यवहार किया था। पीठ ने कहा कि अदालत अपनी आंखें बंद नहीं कर सकती, मूक दर्शक, नहीं बन सकती या अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकती।

जांच के लिए एसआईटी के गठन का दिया आदेश

चैतन्यानंद को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, देशबन्धु। छात्राओं के यौन शोषण का आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी को पटियाला हाउस कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। चैतन्यानंद की पांच दिन की पुलिस हिरासत आज खत्म हो गई थी। जिसके बाद दिल्ली पुलिस उसे पटियाला हाउस कोर्ट लेकर पहुंची थी। वहीं, कोर्ट ने चैतन्यानंद ने 3 आवेदनों पर पुलिस से जवाब मांगा है। इसमें उसकी चीजों की सूची, केस की जानकारी, संन्यासी के खाने-पीने, कपड़े, दवाइयां और किताबें देने की बात शामिल है। इधर, दिल्ली पुलिस ने चैतन्यानंद की तीन करीबी महिला सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में महिला सहयोगियों ने माना कि उन्होंने चैतन्यानंद के कहने पर छात्राओं पर दबाव बनाया।

3 महिला सहयोगी भी गिरफ्तार

बिहार चुनाव पर चुनाव आयोग का सख्त पहरा, आयोग ने कहा-

पर्यवेक्षक लोकतंत्र का प्रकाश स्तंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है। इस बीच भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार विधानसभा चुनाव और उपचुनावों के लिए तैनात किए जाने वाले केंद्रीय पर्यवेक्षकों को जानकारी दी। बैठक के बाद अब अगले दो दिन यानी 4 और 5 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग की टीम बिहार दौरे पर जाएगी और वहां पर जाकर चुनावी प्रक्रिया की अंतिम दौर की तैयारी का जायजा लेगी। उम्मीद की जा रही है कि इसके बाद चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जाएगा। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा के आगामी आम चुनाव और कुछ राज्यों के उपचुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों के रूप में तैनात किए जाने वाले सामान्य, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों के लिए एक ब्रीफिंग का आयोजन किया। बैठक में 287 आईएएस अधिकारी, 58 आईपीएस अधिकारी और आईआरएस, आईआरएएस, आईसीएएस तथा अन्य सेवाओं के 80 अधिकारियों सहित 425 अधिकारियों ने भाग लिया। यह ब्रीफिंग बैठक आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुकुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ केंद्रीय पर्यवेक्षकों को जानकारी दी।

ज्ञानेश कुमार ने पर्यवेक्षकों को संबोधित करते हुए उन्हें लोकतंत्र का प्रकाश स्तंभ बताया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बैठक में पर्यवेक्षकों को मतदान और मतगणना की प्रक्रिया पर सख्त नजर रखने व किसी भी अनियमितता की तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी करने और मीडिया कर्मियों के लिए निर्धारित मानक के अनुसार प्रवेश देने की व्यवस्था की गई है।

एनसीआरबी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

देश में बाल-विवाह के मामले 6 गुना बढ़े

नई दिल्ली, देशबन्धु। बाल विवाह के दर्ज मामलों की संख्या 2023 में पिछले वर्ष की तुलना में छह गुना बढ़ी है। इसमें अकेले असम में कुल मामलों का लगभग 90 प्रतिशत दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के हालिया आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। इसके मुताबिक, साल 2023 में 16,737 लड़कियों और 129 लड़कों को जबरन शादी के लिए अगवा किया गया।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 2023 में इस अधिनियम के तहत 6,038 मामले दर्ज किए गए, जो कि 2022 में 1,002 मामलों और 2021 में 1,050 मामलों की तुलना में काफी अधिक हैं। बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 में बना था जो 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों और 21 वर्ष से कम आयु के लड़कों के विवाह पर प्रतिबंध लगाता है तथा ऐसे विवाहों का आयोजन, संचालन या उसे सुगम बनाने वालों को अपराधी की श्रेणी में डालता है। भारत के नेतृत्व में दक्षिण एशिया ने बाल विवाह को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है , पिछले दशक में इसमें 20 प्रतिशित की कमी आई है, लेकिन इस क्षेत्र में अभी भी बाल वधुओं की संख्या सबसे अधिक है। यह आंशिक रूप से भारत की विशाल जनसंख्या के कारण है, लेकिन साथ ही तेज आर्थिक विकास के बावजूद भारत में लगभग 5 में से 1 व्यक्ति अभी भी गरीबी में रहता है। लड़कियों के वयस्क जीवन के विकल्प अभी भी भेदभाव से प्रभावित होते हैं, जिसका अर्थ है शिक्षा और अन्य अवसरों तक असमान पहुंच, शादी करने और बच्चे पैदा करने का तीव्र सामाजिक दबाव, और ऐसे मानदंड और कानून जो किशोरों के बीच सहमति से यौन संबंधों को रोकते और अपराध मानते हैं।

पिछले दशक में, बचपन में लड़कियों की शादी होने की संभावना लगभग आधी घटकर 46 प्रतिशत से 26 प्रतिशत हो गई है। यह प्रगति काफी हद तक भारत के कारण है, लेकिन बांग्लादेश, मालदीव और पाकिस्तान जैसे अन्य देशों में भी बाल विवाह में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है। अन्य सभी क्षेत्रों में तथा विश्व स्तर पर 1997 से 2022 के बीच सबसे गरीब परिवारों की लड़कियों के लिए प्रचलन बढ़ा है या स्थिर हो गया है। यदि विश्व स्तर पर प्रगति उतनी ही तेज होती जितनी कि दक्षिण एशिया के सबसे अमीर पंचमांश में हुई है, तो आज केवल 9 प्रतिशत लड़कियां ही बाल वधु होतीं, जबकि वर्तमान में यह 19 प्रतिशत है।

शादी के लिए अगवा की गई 17 हजार लड़कियां

असम में सबसे ज्यादा मामले

असम ने 5,267 मामले दर्ज किए, इसके चलते यह राज्य सबसे अधिक मामलों वाला राज्य बना। इस सूची में अन्य अधिक संख्या वाले राज्यों में तमिलनाडु (174), कर्नाटक (145) और पश्चिम बंगाल (118) शामिल हैं। कई राज्य और केंद्रीय राज्य जैसे छत्तीसगढ़, नगालैंड, लद्दाख और लक्षद्वीप में इस दौरान कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

सार-समाचार

महाकाली की अनोखी विदाई को देखने उमड़े हजारों श्रद्धालु

शाहगढ़, देशबन्धु। नवरात्रि के समापन हुआ, नौ दिनों तक मां के प्रति श्रद्धा भक्ती भक्तों में देखी गई। अंतिम दिन गुरूवार को नगर के मुख्य बाजार में दशहरा पर्व मनाया गया जहां पर अखाड़ों के बेहतरीन प्रदर्शन पर बंडा विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी सहित समिति आदि के लोगों ने सम्मानित किया। चित्तर सींग की घाटी स्थित मंदिर में विराजी विशाल महाकाली की विशेष शोभायात्रा नगर में निकाली गई जिसमें हजारों श्रद्धालु एकत्रित हुये, शोभायात्रा में महिलायें अपने सिर पर कलश खप्पर लेकर माता की भक्ती मे लीन थी वहीं लड़कियां अपने सिरों पर साफा बांधकर गरबा नृत्य करते हुये यात्रा में शामिल हुईं, जगह-जगह विराजी देवी मां जगदंबा आदि नौ रूपों में विराजमान भव्य प्रतिमाओं को नगर में निकाला गई, किसी प्रतिमा में मां के बाल्य स्वरूप के दर्शन है वहीं कोई प्रतिमा माता काली के विशाल रूप के दर्शन कराती है, यात्रा के बाद महाकाली सहित विरजमान सभी प्रतिमा का विसर्जन बीला और चंदिया जलाशय में किया गया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई

मालथौन, देशबन्धु। परिकल्पना सोशल वेलफेयर सोसायटी मलाथौन समाज सेवी संस्था परिकल्पना सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा वार्ड 2 में स्थित समिति कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई। कार्यक्रम में उपस्थित समिति सदस्य सत्यम घोषी ने बताया कि बापू के प्रयास हमें सिखाते है कि हर छोटे-छोटे प्रयास से बदलाव संभव है। समिति अध्यक्ष संदीप पटेल द्वारा गांधी जी के जीवन के बारे में बच्चों को बताया गया। कार्यक्रम में समिति सचिव अनुज रजक ने बताया कि गांधी जी ने हमें स्वच्छता का संदेश दिया है एवं हमें अपने आस पास स्वच्छता रखनी चाहिये, कोषाध्यक्ष जयराम रैकवार ने कहा गांधी जी के विचारों से किसी भी व्यक्ति के जीवन को सकारात्मक बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में तंसु रैकवार, सहसचिव नीरज साहू एवं बच्चे उपस्थित रहे।

संघ कार्यालय, पुलिस थाना और नरसिंह मंदिर में शस्त्र पूजन हुआ

बीना, देशबन्धु। दशहरा पर गुरुवार को संघ कार्यालय, पुलिस थाना और नरसिंह मंदिर में शस्त्र पूजन किया। मंत्रोच्चारण के साथ अस्त्र शस्त्रों का पूजन हुआ। पुलिस थाने के शस्त्रागार से शस्त्र निकालकर शुद्धिकरण कर पूजन किया। हवन-पूजन के साथ थाना प्रभारी ने तलवार से कद्दू की बलि दी। पुलिस थाने में एसडीओपी नितेश पटेल सहित स्टाफ की मौजूदगी में शस्त्र पूजन किया। शस्त्र पूजन के बारे में टीआई अनूप यादव ने कहा कि शस्त्र पूजा का विशेष महत्व है। दशहरा पर शस्त्रों की शुद्धता सुनिश्चित की जाती है। शस्त्र पूजन से हमें समाज और देश की रक्षा करने की प्रेरणा मिलती है। इसी तरह संघ कार्यालय में जिला प्रचारक विजय ने शस्त्र पूजन संपन्न कराया। उन्होंने कहा कि शस्त्र हम समाज और धर्म की रक्षा के लिये धारण किये जाते हैं। शस्त्र का प्रयोग हमेशा न्याय हित में करना चाहिये। इसी तरह नरसिंग मंदिर में क्षत्रिय समाज ने शस्त्र पूजना किया। लोग अपने अस्त्र शस्त्र लेकर पहुंचे। इस दौरान क्षत्रिय समाज के वरिष्ठ लोगों ने कहा कि शस्त्र क्षत्रियों का आभूषण हैं। क्षत्रिय सदियों से शस्त्रों से समाज की रक्षा करते आ रहे हैं। इस विशेष पर्व पर पूजन करना सनातन संस्कृति का हिस्सा है।

नाम बदलने की जंग: जयसिंहनगर, जैसीनगर या जयशिवनगर

सत्ता के नशे में चूर कुछ नेता विरासत को कर रहे नष्ट: पूर्व सांसद

जिला क्षत्रिय समाज ने नाम परिवर्तन के विरोध में ज्ञापन सौंपा

सागर, देशबन्धु। जैसीनगर का नाम बदलकर शिवनगर करने की घोषणा को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस निर्णय के विरोध में जिला क्षत्रिय समाज ने गुरुवार को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जैसीनगर थाना प्रभारी शशिकांत गुर्जर को सौंपा। इससे पहले जैसीनगर बस स्टैंड पर सर्व समाज एवं जिला क्षत्रिय समाज के लोगों ने एकत्र होकर शस्त्र पूजन किया और आमसभा आयोजित की। सभा में गढ़पहरा रियासत और जैसीनगर की स्थापना करने वाले राजा जयसिंह जूदेव के इतिहास की जानकारी दी गई। इस अवसर पर पूर्व सरपंच विक्रम सिंह ने मंच संचालन करते हुये कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के 25 सितंबर के जैसीनगर आगमन पर स्थानीय नेताओं ने बिना जनता से चर्चा किये नाम बदलवाने की घोषणा करवाई। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिरकार नाम बदलने की क्या जरूरत थी। वरिष्ठ भाजपा नेता अवधेश जैन ने कहा कि सोशल मीडिया पर यह प्रचारित किया जा रहा है कि नाम परिवर्तन का विरोध करने वाले लोग भगवान विरोधी हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हम सब भगवान के पदचिन्हों पर चलने वाले लोग हैं। वहीं स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता अनिल सोनी ने कहा कि यदि जैसीनगर का नाम बदल जाता है तो सबसे अधिक परेशानी गरीबों को होगी। उन्हें सरकारी कार्यों के लिए नए नाम के कारण ब्लॉकों के चक्कर काटने पड़ेंगे। अनिल सोनी ने आरोप लगाया कि मंत्री गोविंद सिंह राजपूत विधानसभा चुनाव में जैसीनगर क्षेत्र से बुरी तरह हार का सामना कर चुके हैं, और अब नाम बदलकर राजनीतिक बदला लेने की कोशिश कर रहे हैं। जिला श्रमिक किसान यूनियन जनशक्ति के अध्यक्ष संदीप ठाकुर ने कहा कि क्या नाम बदलने से किसानों को अतिवृष्टि का मुआवजा मिल जायेगा, डीएपी-यूरिया उपलब्ध हो जायेगी या उनकी समस्याओं का समाधान हो जायेगा। यह सिर्फ जनता का ध्यान भटकाने की राजनीति है। सुरखी विधानसभा के कांग्रेस नेता राजकुमार धनोरा ने कहा कि कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते इतिहास को मिटाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि जैसीनगर तालाब में राजा जयसिंह जूदेव की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएए ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी विरासत को याद रख सकें। जिला क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष लखन सिंह ने बुंदेलखंड के प्राचीन दुर्ग और गढ़ी किताब एवं 1896 में प्रकाशित इतिहास बुंदेलखंड पुस्तक के पन्ने साझा करते हुये जैसीनगर और गढ़पहरा रियासत के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को गुमराह कर यह घोषणा करवाई गई है। यदि नाम किसी मुगल शासक पर होता तो हम बदलने का समर्थन भी करते, लेकिन यहां तो बात हमारे पूर्वजों और सांस्कृतिक विरासत की है। पूर्व सांसद राजबहादुर सिंह ने कहा कि सत्ता के नशे में कुछ नेता विरासत को नष्ट करने पर तुले हैं। जो लोग अपनी विरासत की रक्षा नहीं कर पाते, वे एक दिन स्वयं नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी सनातन धर्म को मानने वाले लोग हैं और हिंदू धर्म में अपेक्षा की जाती है की छतरी हम सभी की रक्षा करें वर्तमान में क्षेत्र का नेतृत्व क्षत्रिय कर रहे हैं वह छतरियां हैं उनका दायित्व बनता है कि जैसीनगर के नाम बदलने से क्या मिल जायेगा लेकिन उनकी बदनियत साफ जाहिर हो रही है। सभा के बाद सभी लोगों ने दुर्गा पंडाल में विराजमान माता रानी के समक्ष नारियल फोड़ कर राजा जय सिंह की प्रतिमा लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सचिन सिंह ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर रवि सिंह सागौनी, विक्रम सिंह सागौनी, गणेश सिंह, चंद्रेश भारद्वाज, कृष्णकांत सिंह, बलवीर सिंह, अनिल सोनी, विपिन कुर्मी, राजू राजपूत, मुकेश राजपूत, सौरभ सिंह, अजय प्रताप, केशव सिंह, सत्यम सिंह, धर्मेंद्र, आदित्य सिंह, ओमप्रकाश साहू, योगेंद्र सिंह, हर्षवर्धन, गौतम सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कुछ नेता अपनी विधानसभा न देखकर दूसरी विधानसभा में हस्तक्षेप कर रहे है: गोविंद सिंह

जैसीनगर, देशबन्धु। ब्लॉक मैदान में दशहरा समारोह एवं रावण दहन का 27 में वर्ष का कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमें बाहर से आये हुये कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। श्री राम लक्ष्मण एवं हनुमान जी के स्वरूपों की आकर्षक झांकी सजाई गई थी और मंत्री के ठीक सामने 51 फुट ऊंचे रावण का पुतला बनाया गया था। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंच पर पहुंचकर भगवान के बनाये गये स्वरूपों की पूजा की जैसीनगर को नगर पंचायत बनाये जाने, कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल एवं बेवस नदी सिंचाई परियोजना देने पर जैसीनगर ग्राम के नागरिकों द्वारा उनका नागरिक अभिनंदन एवं फलों से तुलादान किया गया, दशहरा के कार्यक्रम को संबोधित करते हुये और बिना नाम लिये सुरखी विधानसभा के दो बार के पूर्व विधायक एवं वर्तमान खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह पर जमकर तंज कसते हुये कहा कि जैसीनगर का विकास नेताओं द्वारा देखा नहीं जा रहा है 25 सितम्बर को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने क्षेत्र को अनेकों सौगाते दी जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह द्वारा जैसीनगर का नाम जय शिवनगर करने की मांग की आई थी लेकिन उसमें जय भी लगा था, वह हमारे विधानसभा में आकर पत्थर फेंक रहे हैं अपना घर संभाले वह सुरखी से 10 साल विधायक रहे लेकिन एक पुलिया नहीं बनवा पाये उनके भतीजे आ रहे हैं क्षेत्र के चार-पांच कांग्रेस के लोग आ रहे हैं और ज्ञापन दे रहे हैं लेकिन मैं मंच से घोषणा करता हूं की जैसी नगर का नाम यथावत रहेगा बदला नहीं जायेगा, जैसीनगर को हम सबने खून से खींचा है और सीचेगे, राजा जयसिंहदेव जू हमारे राजा हैं जिनकी भव्य प्रतिमा सबकी सहमति से लगाई जायेगी। मंत्री गोविंद राजपूत के उद्बबोधन के बाद रावण का पुतला दहन किया गया।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान में जिले के सभी पशुपालकों को पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं नस्ल सुधार की जानकारी दे: कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान में जिले के सभी पशुपालकों को पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं नस्ल सुधार की जानकारी दे। उक्त निर्देश कलेक्टर संदीप जीआर ने सभी संबंधित अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार पशुपालन करने वाले किसानों व पशुपालकों की आय व दूध उत्पादन बढ़ाने के लिये महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर से दुग्ध समृद्धि अभियान शुरू हुआ है। यह तीन चरणों में चलेगा। शुरुआत ग्राम सभाओं से की जायेगी। पहले चरण में 10 या 10 से अधिक गोवंश रखने वाले पशुपालकों से संपर्क किया जायेगा। दूसरे चरण में 5 या अधिक गोवंश रखने वाले पशुपालकों और तीसरे चरण में 5 या कम गोवंश रखने वाले पशुपालकों से संपर्क किया जायेगा। अभियान के अंतर्गत सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी, मैत्री द्वारा पशुपालकों से घर जाकर मुलाकात की जायेगी और उन्हें पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं नस्ल सुधार के संबंध में बताया जायेगा। यह अभियान 9 अक्टूबर तक चलेगा।

दशम दिन विसर्जन को चली मां, हर आगंन सूना हर गली हुई नीरस...

मालथौन, देशबन्धु। दशहरा को नगर में दुर्गा पंडालो में हवन पूजन के बाद मां दुर्गा की स्वरूप प्रतिमाओं को भक्तों ने नम आंखों से चल समारोह पूर्वक विदाई दी। देर रात 2 बजे तक पवित्र स्थल गौधाम जलाशय और तालाब में देवी प्रतिमाओं का विधि विधान से नगर प्रशासन एवं पुलिस की उपस्थिति में गौधाम में 26 और तालाब में 21 प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया। नौ दिनों तक नगर में आदि शक्ति स्वरूपा मां जगत जननी की आराधना में भक्तों का सैलाब डूबा रहा चारो तरफ भक्तिमय, धर्ममय माहौल की धूम छाई रही। अंतिम दिन दोपहर से चल समारोह धूमधाम से देर रात निकले। नवमीं और दशमी को दुर्गा पंडालों में भक्तों ने हवन कुंड आहुतियां दी गई। शाम को पूजा अर्चना और आरती के बाद ढोल ढमाकों डीजे के साथ चल समारोह निकले जगह जगह घरों के सामने भक्तों ने माता रानी की आरती उतारी प्रसाद अर्पित किया। नौ दिनों तक समूचे अंचल में धर्ममय बातावरण छाया रहा है शक्ति स्वरूपा मां जगतजाननी की उपासना में भक्त डूबे रहे, धर्म कि प्रभावना चल रही थी नवरात्रि के अंतिम दिन भक्तो ने माता को नम आंखों से विदाई समारोह पूर्वक दी। नगर में समस्त दुर्गा पंडालो से प्रतिमाओं को वाहनों में सवार कर ढोल ढमाकों के साथ चल समारोह विसर्जन के लिये चली। दुर्गा पंडालों में महा आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया इसके एक एक कर विसर्जन स्थल गौधाम और तालाब के लिए रवाना किया गया, चल समारोह में माता के जयकारों के साथ एक गीत चलता रहा था नौ रात नौ दिन माई दसम दिन विदाई विसर्जन को चली मां। हर आगंन सूना हर गली नीरस हुई। देवी प्रतिमाओं का देर रात चला। विसर्जन स्थलों पर थाना पुलिस और नप अमला मौजूद रहा।

ब्लॉक कांग्रेस ने महात्मा गांधी की जयंती मनाई

बीना, देशबन्धु। ब्लॉक कांग्रेस द्वारा गुरुवार को महात्मा गांधी की जयंती मनाई। कांग्रेसियों ने गांधी चौक पर जाकर महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुराग ठाकुर ने कहा कि महात्मा गांधी सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया था। हमें उनके बताये मार्ग पर चलना चाहिये। सेवादल अध्यक्ष ओम प्रकाश पंजाबी ने कहा कि महात्मा गांधी एक हमेशा सत्य बोलते थे और लोगों को सत्य बोलने के लिये प्रेरित करते थे। शहर सेवादल अध्यक्ष प्रमोद राय ने कहा गांधी जी ने देश के लिये जीवन न्यौछावर कर दिया। विक्रांत सिंह गोलंदाज ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर अशोक परिहार, सुरेश तिवारी, शशि मोहन तिवारी, जगदीश पाराशर, विनोद पोरिया, कृष्णा कैथौरिया, सुखलाल अहिरवार, रामकिशन अहिरवार मुख्य रूप से उपस्थित थी।

दशहरा चल समारोह, रावण दहन, मूर्ति विसर्जन के साथ नवदुर्गा पर्व का धूमधाम से समापन

गौरझामर, देशबन्धु। नवरात्रि का 10 दिनी पावन पर्व पूजा अर्चना दर्शन तथा दशहरा चल समारोह अखाड़ों के हैरतअंगेज प्रदर्शनों रावण दहन एवं सभी दुर्गा प्रतिमाओं का मोक्षदायिनी पावन मां नर्मदा नदी में विसर्जन के साथ धूमधाम व भक्ति भाव के साथ समापन हो गया। गौरझामर में इस वर्ष अनेकों स्थानों पर मां दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना की गई थी तथा सभी झांकियों का आयोजन समारोह पूर्वक धूमधाम से किया गया इन 9 दिनों के इस बार वार्षिक त्योहार को नगर व क्षेत्र के लोगों द्वारा पूरे भक्ति भाव से मां दुर्गा की पूजा अर्चना व दर्शन लाभ के साथ मनाया। दुर्गोत्सव पर्व पर सभी दुर्गा झांकियों के शेर निकाले गये एवं माता महाकाली की झांकी से प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जुगानी जोगनिया नृत्य पूरे दुर्गा पंडालों पर जा जाकर किया गया जो अनूठा व लोकप्रिय कार्यक्रम रहा। इस बार यहा की सभी झांकियों में जो दुर्गा प्रतिमायें स्थापित की गई थी सभी पिछले वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष सबसे बड़ी भव्य अति आकर्षक तथा दर्शनीय रही जिन्हें देखने के लिये इस बार हजारों की संख्या में श्रद्धालु जन गौरझामर झांकियों के दर्शन के लिये आये। 9 दिनों तक दुर्गा की भक्ति व दशमी के दिन दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया जिसमें स्थानीय इतवारा बाजार दशहरा मैदान पर यहां के प्रसिद्ध अखाड़ा जिनमें श्री धर्मवीर अखाड़ा, बजरंग अखाड़ा, बालक वीर अखाड़ा, आजाद अखाड़ा, पवन सुत अखाड़ा, ब्लैक कमांडो अखाड़ा आदि के द्वारा गाजे बाजे ढोल धमाके के साथ अपने-अपने करतब दिखाये गये जिन्हें उपस्थित जन मेदिनी ने खूब सराहा और प्रशंसा की देर रात तक चलेअखाड़ों के खेल प्रदर्शनों के पश्चात बुराई व असत्य के प्रतीक रावण के यहां बनाये गये विशाल पुतले का दहन दशहरा मैदान में श्री राम के द्वारा चलाये अचूक बाण से किया गया। दशहरा चल समारोह के इस मौके पर पूरे नगर के प्रमुख मार्ग दोनों तरफ लोगों से खचाखच भरे हुये थे यहां तक कि दशहरा मैदान के आसपास बने सभी घरो मकानो के छज्जे-छतों तक पर भी अपार भीड़ समा नहीं ले रही थी। इस बार की गौरझामर की सभी दुर्गा काली प्रतिमाओं का विसर्जन दूसरे दिन ग्यारस को वाहनों पर सजाकर बरमान घाट विसर्जन हेतु ले जाया गया जहां पर माता की पूजा अर्चना आरती के बाद पूरे विधि विधान के साथ विसर्जन किया जाता जायेगा।

संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने पर अथक पथ संग्रहालय में मनाया स्थापना दिवस

बीना, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर अथक पथ संग्रहालय में वरिष्ठ स्वयंसेवक दादा मानसिंह लोधी एवं प्रारंभ से ही संघ के लिये समर्पित रहे मुदगल परिवार के रमाशंकर मुद्गगल का जिला प्रचारक विजय जिला संघचालक संजीव जैन अथक पथ संग्रहालय के राम शर्मा ने साल माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इस अवसर पर दादा मानसिंह ने बताया कि मेरा जीवन केशव और माधव के प्रति समर्पित रहा आज जो कुछ भी हूं संघ की देन है। रमाशंकर मुद्गगल ने बताया कि मेरे परिवार की रग रग में संघ प्रविष्टि है आज संघ के कारण ही हम सब का जीवन संस्कारवान है जीवन जीना संघ की देन है। संघ ही मेरा तन मन और जीवन है। इस अवसर पर मुरारी गोस्वामी, रवि ताम्रकार, शिवकुमार चौबे, राजेंद्र यादव, गोविंद तिवारी, योगेश चतुर्वेदी, हरी शर्मा, शरद श्रीवास, तरुष, मुद्गल, संजीव मिश्रा, अखिलेश विलगैया आदि उपस्थित थे।

नगर में दशहरा उत्सव धूमधाम से मनाया

मालथौन, देशबन्धु। बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक दशहरा पर्व पर प्रतिबर्ष की भांति इस बर्ष भी नगर के किला प्रांगण में दशहरा महोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर नगर की रामलीला मंडली के कलाकारों ने सुंदर रामलीला के प्रमुख दृश्यों का का मंचन किया। जिसमें लक्ष्मण शक्ति, मेघनाथ बध, कुंभकर्ण बध और अंत में राम और रावण युद्ध का मंचन किया। श्रीराम ने रावण की नाभि बाण चलाकर वध किया। जिसके बाद 30 फीट रावण के पुतले में आग लगाई गई वह धू-धू कर जल उठा, जमकर आतिशबाजी हुई। दशहरा महोत्सव कार्यक्रम में युवा भाजपा नेता अविराज सिंह शामिल हुये। उन्होंने मां जगत जननी मां जगदम्बा मैया के दरबार मे पूजन अर्चन कर क्षेत्र की सुख समृद्धि की मंगल कामना कर आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात कार्यक्रम में सम्मलित होकर पूजन कर रामलीला के पात्रों का तिलक वंदन कर स्वागत किया। इस असवर पर जयंत सिंह बुन्देला, दुर्ग सिंह परिहार, रामकुमार बघेल, अरविंद लोधी, भीकम सिंह यादव, रावराजा राजपूत, रूप किशोर नामदेव, देवेंद्र जैन, दुर्गा प्रजापति, पुष्पेन्द्र सिंह, प्रदीप मालवीय सहित हजारों की संख्या में नागरिक जन उपस्थित रहे।

दशहरे पर 25 फीट रावण के पुतले का दहन

बीना, देशबन्धु। आगासौद रोड स्थित मैदान में विजयादशमी पर्व पर गुरुवार को 25 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महामंडलेश्वर राधा मोहन दास के संबोधन से हुई। उन्होंने धर्म और अधर्म में अंतर स्पष्ट करते हुये कहा कि रावण वेद-पुराणों का ज्ञाता और भगवान शिव का परम भक्त था, लेकिन अधर्म के मार्ग पर चलने के कारण उसका वंश नष्ट हो गया। उन्होंने संदेश दिया कि धर्म का मार्ग प्रगति की ओर ले जाता है, जबकि अधर्म विनाश का कारण बनता है। संबोधन के बाद राम, लक्ष्मण और हनुमान की भूमिका निभा रही बालिकाओं में मनीषा, आयुषि और सौम्या का पूजन किया गया। इसके बाद राम ने तूणीर से बाण चलाया, जो सीधे रावण के पुतले पर जा लगा। देखते ही देखते पुतला आग की लपटों में घिर गया और लगभग 50 फीट ऊंची लपटों से पूरा मैदान रोशनी से भर गया। पुतले में बंधे पटाखों के धमाकों और आयोजन समिति द्वारा की गई आतिशबाजी से आसमान रंगीन हो उठा। इस ऐतिहासिक पल के 2 हजार से अधिक लोग साक्षी बने। जय श्रीराम के गगन भेदी जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो गया और ढोल नगाड़ों की थाप पर लोग उल्लास से झूम उठे। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष सुनील सिरोठिया ने भी संबोधित किया। उन्होंने सनातन धर्म की रक्षा के लिये समाज को एकजुट रहने का आह्वान किया। सिरोठिया ने कहा कि हिंदू समाज का विभाजन सबसे बड़ी कमजोरी है और अनेक शक्तियां इसे कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने धर्म पर संकट आने पर सभी को एक साथ खड़े होकर चुनौतियों का मुकाबला करने का संदेश दिया। रावण दहन का यह आयोजन न केवल विजयादशमी की परंपरा को जीवंत करता है, बल्कि समाज को धर्म, एकता और आस्था का गहरा संदेश भी देता है।

समाज में व्याप्त बुराई रूपी रावण को जलाने का संकल्प लें: भूपेन्द्र सिंह

खुरई, देशबन्धु। रावण अधर्म, अत्याचार और अन्याय का प्रतीक है। दशहरा पर हम कागज से बना रावण जलाते हैं। मगर असली रावण तब जलेगा, जब समाज से बुराईयां खत्म होंगी। समाज में सबसे बड़ा रावण शराब है। जब तक यह नहीं जलेगा, तब तक जनता सुखी नहीं रह सकती और इसके लिये हमें अपने क्षेत्र के गांव-गांव में उन लोगों का सामाजिक बहिष्कार करना होगा जो अवैध शराब का करोबार कर रहे हैं। यह उद्गार पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक भूपेन्द्र सिंह ने खुरई और कनेरागौंड़ में आयोजित दशहरा महोत्सव में व्यक्त किये। इस अवसर पर युवा नेता अविराज भूपेन्द्र सिंह ने शिव तांडव स्त्रोत को कंठस्थ सुनाया। पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि भगवान श्री राम ने धर्म और न्याय की रक्षा के लिये रावण को मारा था। अधर्म और अभिमान के कारण ही रावण का अंत हुआ। श्रीराम ने रावण के भाई विभीषण को सोने की लंका का राजपाट सौंपते हुये यही कहा था कि लंका में धर्म का राज स्थापित हो और प्रजा सुखी रहे। उन्होंने कहा कि रावण को जलाने का यही संदेश है कि राम राज्य स्थापित हो और जनता सुखी रहे। सबके साथ न्याय हो। गरीब को जब तक न्याय नहीं मिलेगा, राम राज्य नहीं आ सकता। उन्होंने कहा कि जीवन में धर्म ही आपके साथ जायेगा। अधर्म का धन कभी आपके पास नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि वर्तमान में समाज में सबसे बड़ा रावण शराब है जो सब प्रकार से व्यक्ति का पतन कर देती है। सारी समस्याओं की जड़ शराब है। इसलिये आज हमें कागज का नहीं, बल्कि शराब रूपी रावण को जलाना है। गांव-गांव में महिलायें अवैध शराब बेचे जाने की शिकायत करती हैं। इसे रोकना है तो ऐसे लोगों का समाज से बहिष्कार करना होगा जो शराब के अवैध धंधे से लगे हैं। हम सबको मिलकर शराब के खिलाफ मिलकर अभियान चलाना होगा। श्री सिंह ने खुरई में केके पैलेस से सागर नाका के बीच एक करोड़ रूपये की लागत से लगाई गईं स्ट्रीट लाईट का लोकार्पण किया। उन्होंने कनेरागौंड़ स्थित सिद्धबाबा परिसर में सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। साथ ही 37 लाख रूपये लागत के पंचायत भवन सहित अनेक निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने सिद्धबाबा मंदिर में अपनी तरफसे कलश स्थापना और भंडारा कराने की घोषणा की।

सार समाचार

जिपं सीईओ ने किया ग्राम सभाओं का निरीक्षण

छतरपुर, देशबन्धु। जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया ने ग्राम सभाओं का निरीक्षण किया है। सीईओ ने ग्राम पंचायत बूदौर उर्मिल नदी के उदगम स्थल पर प्रगतिरत वृक्षारोपण कार्य को देखा और शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए, साथ ही वृक्षारोपण भी किया। बिजावर की ग्राम पंचायत पनागर में आयोजित ग्राम सभा में सम्मिलित होकर उन्होंने ग्रामीणों को शासन की महत्वपूर्ण भावांतर योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ग्राम पंचायत मातगुवां, ईशानगर, सीगौन में विकास कार्यों का निरीक्षण किया। साथ ही ग्राम पंचायत सीगौन स्थित पचेर घाट पर नवदुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन का भी जायजा लिया।

45 वर्षीय युवक तालाब में डूबा, रेस्क्यू जारी

लवकुशनगर, देशबन्धु। नगर के मानसरोवर बड़े तालाब में बीते रोज 45 वर्षीय युवक तालाब में डूब गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया वार्ड 7 में रहने वाला गोरेलाल आहिरवार तालाब के किनारे कपड़े धो रहा था। इसके बाद वह तालाब में नहाने लगा, तभी अचानक वह पानी मे डूबने लगा। मौके पर जाकर लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन बचा नहीं पाए। टीआई अजय अम्बे ने पुलिस बल के साथ मौके पर जाकर स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया। जिसके बाद रेस्क्यू टीम आई, शाम 6.30 बजे तक लगातार रेस्क्यू जारी था लेकिन गोरेलाल की खोज नहीं हो पाई थी।

छोटे भाई ने बेटों के साथ मिलकर बड़े भाई को बेरहमी से पीटा

छतरपुर, देशबन्धु। शहर में गुरुद्वारे के पास एक युवक शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहा था, जब उसके बड़े भाई ने रोका तो उसने अपने बेटों के साथ मिलकर बड़े भाई की बेरहमी से पिटाई करके बुरी तरह से घायल कर दिया है। जानकारी के मुताबिक बबलू वर्मा शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहा था। उसके 65 वर्षीय बड़े भाई बाबूलाल वर्मा ने उसे रोकने की कोशिश की। इससे नाराज होकर बबलू ने अपने पुत्र प्रिंस और तरुण के साथ मिलकर बाबूलाल पर हमला कर दिया। बाबूलाल को बचाने पहुंचे उसके पुत्र विजय को भी पीटा गया। घायल पिता-पुत्र को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। टीआई अरविंद दांगी ने बताया आरोपी पक्ष पर मारपीट की धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

घर में घुसकर बच्चे पर किया चाकू से जानलेवा हमला

बमीठा, देशबन्धु। बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम इमलिया में रात के समय दो अज्ञात बदमाशों ने खेत पर बने घर में घुसकर 11 वर्षीय जुगल कुशवाहा पर चाकू से हमला करके उसे घायल कर दिया है। बच्चे के सिर और पीठ में गंभीर चोट आई है, उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चंपा कुशवाहा ने बताया वह अपने खेत पर बने मकान में 11 वर्षीय पुत्र जुगल कुशवाहा के साथ सो रही थी। रात करीब साढ़े 11 बजे जुगल वॉशरूम जाने के लिए उठा, जैसे ही आंगन में पहुंचा तो उसे दो लोग दिखाई दिए। उन्हें देखकर जुगल चिल्लाया, तो बदमाशों ने चाकू से उस पर हमला करके भाग खड़े हुए। थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रिय ने बताया अज्ञात लोगों द्वारा बच्चे पर हमला करने की घटना हुई है, जिसकी जांच की जा रही है।

ड्रग इंस्पेक्टर ने की कई मेडीकल स्टोर की जांच, 4 को नोटिस जारी

छतरपुर, देशबन्धु। दवाओं विक्रय की निगरानी एवं नशीली दवा विक्रय की रोकथाम के लिए कलेक्टर के निर्देशन एवं सीएमएचओ के मार्गदर्शन में ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा कई मेडिकल स्टोर्स की जांच की गई। इनमें से 4 को नोटिस दिए गए हैं।

मेसर्स श्री अरबिंदो मेडिकोज छतरपुर, मेसर्स एसबी फार्मा छतरपुर, मेसर्स शिवम मेडिकल स्टोर बडामलहरा एवं मेसर्स नटराज फार्मा एवं जनरल एजेंसीज बडामलहरा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मेसर्स मानस मेडिकल स्टोर छतरपुर का ड्रग लाइसेंस दो दिन के लिए निलंबित किया गया। मेसर्स गुड हेल्थ ड्रग हाऊस छतरपुर को जारी ड्रग लाइसेंस निरस्त किया गया। ड्रग इंस्पेक्टर ने दवा विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि वे दुकान का संचालन औषधि एवं सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री के नियमानुसार करें। निरीक्षण के दौरान दुकान का संचालन नियमानुसार न होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

किसान संगठनों और व्यापारियों को दी योजना के क्रियान्वयन, फायदे की जानकारी

किसान पंजीयन कराके लें भावांतर योजना का लाभ: विधायक

छतरपुर, देशबन्धु। शुक्रवार को ऑडिटोरियम में किसान संगठनों और पंजीकृत व्यापारियों को भावांतर योजना की जानकारी देते हुए विधायक ललिता यादव ने कहा 3 अक्टूबर से भावांतर योजना में किसानों के पंजीयन शुरु हो गए हैं। किसान अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराके इस योजना का लाभ लें।

उन्होंने कहा राज्य और केन्द्र की सरकार किसानों के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही हैं। जिससे खेती घाटे का नहीं बल्कि लाभ का सौदा बन रही है। सरकार द्वारा किसानों को आर्थिक रुप से सशक्त ओर समृद्ध बनाने के लिए भावांतर योजना शुरु की गई है। जिसका फायदा सोयाबीन का उत्पादन करने वाले कृषकों को मिलेगा। मंडियों में किसान सोयाबीन बेचते हैं, तो मंडी के मांडल रेट और न्यूनतम समर्थन मूल्य यानि एमएसपी के बीच के अंतर की राशि सरकार 15 दिन में सीधे किसानों के खातों में जमा करेगी।

इस दौरान विधायक और कलेक्टर ने योजना के प्रचार-प्रसार के लिए ट्रैक्टर रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। ये रैली ऑडिटोरियम से शुरु होकर आकाशवाणी तिराहा, बस स्टैंड से कृषि विभाग कार्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया, एडीएम मिलिंद नागदेवे, सहायक कलेक्टर आशीष पाटिल, डीडीए रवीश कुमार सिंह, किसान संगठन के पदाधिकारी अयोध्या प्रसाद पटेल, बृजेंद्र सिंह बुंदेला, नीलकंठ पटेल, खजांची पटेल सहित अन्य गणमान्य नागरिक और व्यापारी उपस्थित रहे।

बिचौलियों पर की जाएगी कडी कार्यवाही

कलेक्टर श्री जैसवाल ने कहा योजना का लाभ लेने के लिए 3 अक्टूबर से एमपी ऑनलाइन और सीएससी केन्द्रों से पंजीयन की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है, जो 24 अक्टूबर तक चलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अगर कोई बिचौलिया या अन्य व्यक्ति किसानों के हित को प्रभावित करेगा या योजना का लाभ कूटनीतिक तरीके से लेने का प्रयास करेगा उस पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने मंडियों में हेल्पडेस्क बनाने और योजना के बारे में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि किसानों को सोयाबीन विक्रय करने पर 5328 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी मिलेगा। मंडी मॉडल रेट और एमएसपी के अंतर की राशि 15 दिनों के भीतर सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुंच जाएगी।

किसानों की परेशानी: सहकारी समिति पड़वार के बजाय 22 किमी दूर सीलप से मिलेगी खाद

गौरिहार, देशबन्धु। सेवा सहकारी समिति पड़वार के समिति प्रबंधक की मनमानी किसानों पर भारी पड रही है। दरअसल प्रबंधक ने अपनी सुविधा को देखते हुए पड़वार की बजाय 22 किमी दूर सीलप में खाद वितरण केन्द्र बनाकर किसानों की परेशानी बढा दी है।

दरअलस ग्राम पड़वार, खोड़ा, चूहाखेड़ा, बरुआ, निधौली, मवईघाट, उर्दी और परसितपुर सहित अन्य गांवों के किसानों को खाद खरीदने के लिए अब करीब 22 किमी का सफर तय करना पड़ेगा। जनपद सदस्य सीमा यादव और गौरिहार मंडल के भाजपा उपाध्यक्ष मुलायम यादव ने किसानों की इस समस्या को के बारे में 25 सितंबर को कलेक्टर पार्थ जायसवाल को आवेदन देकर खाद का भंडारण पड़वार गोदाम में कराने की मांग की थी। मगर अभी तक समस्या का कोई समाधान न होने से किसानों में आक्रोश है।

जिपं सदस्य सीमा यादव ने समिति प्रबंधक पर अपनी सुविधा के लिए सीलप में खाद रखवाकर क्षेत्रीय किसानों के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया है। उन्होंने बताया ग्राम सीलप में खाद जिस कमरे में खाद रखी है, उस कमरे की छत से पानी टपकता है जिससे खाद खराब होने की आशंका हैं। जबकि पड़वार के शासकीय गोदाम में खाद भंडारण की पर्याप्त जगह है। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष मुलायम यादव का कहना है पिछले कई सालों से खाद का भंडारण और वितरण पड़वार से ही किया जाता था। मगर इस बार समिति प्रबंधक की मनमानी से किसानों को खाद लेने 22 किमी दूर जाना होगा। किसान जगदीश तिवारी, प्रेमनारायण त्रिपाठी, ब्रजमोहन सुल्हेरे, वीरेंद्र निगम, रामदास पाल, सुरेश पाल, मोतीलाल पाल, धनीराम राय, रामप्रकाश यादव, रामकिशोर यादव, बाला राजपूत सहित अन्य किसानों ने सीलप से खाद वितरण का विरोध करते हुए कहा है कि 22 किमी दूर से खाद लाने में परेशानी होगी। उन्होंने अधिकारियों से सीलप से खाद उठवाकर पड़वार से वितरण की मांग की है।

इनका कहना है

पड़वार में स्थित गोदाम के रास्ते में कुछ लोगों ने अतिक्रमण करके संकरा कर दिया है। जिससे वहां तक वाहन नहीं पहुंच पाता है। खाद्यान्न लीड प्रभारी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को इस बारे में लिखित जानकारी दी गई है। समिति क्षेत्र के अन्य गांवों के किसानों की भी सुविधा को देखते हुए मध्य में पड़ने वाले ग्राम सीलप के पंचायत भवन के गोदाम खाद रखवाई है। अब खाद्यान्न भी समीपी ग्राम चुहाखेड़ा में उतरवाने की व्यवस्था की जाएगी।

रामप्रकाश हरदेनिया
समिति प्रबंधक, पड़वार

सांस्कृतिक मंच पर 5 लाख से होगा टीनशेड का निर्माण : विधायक

छतरपुर, देशबन्धु। सनसिटी कॉलोनी के पार्क में स्थित सांस्कृतिक मंच पर सजे देवी दरबार के सम्मुख विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

नवरात्र की नवमीं को विधायक श्रीमती ललिता यादव के मुख्य आतिथ्य एवं नपाध्यक्ष ज्योति चौरसिया की अध्यक्षता में प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर विधायक श्रीमती यादव ने पांच लाख की विधायक निधि से मंच पर टीनशेड का निर्माण कराने की घोषणा की। विधायक ने कहा जब वे नगरपालिका अध्यक्ष रहीं तभी से यहां देखतीं आ रही हैं कि जो नाले चौंड़े थे अब संकीर्ण हो गए हैं। इस वर्ष अत्यधिक वर्षा से समूचे शहर में जलभराव की समस्या नालों के संकीर्ण होने की प्रमुख वजह रही है। उन्होंने कहा अब किसी को भला लगे या बुरा लेकिन जो नाले संकीर्ण हो गए उनका अतिक्रमण राजस्व, पुलिस और नगरपालिका अमले के सहयोग से हटाया जाएगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पार्षद सुशील शिवहरे, राकेश लोहिया, संतोष बंसल, परितोष सोनी, अवधेश शुक्ला, कमल फूलवानी, ऊषा अग्रवाल, गायत्री कुशवाहा थीं। कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण सनसिटी कालोनी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार श्याम किशोर अग्रवाल ने दिया। उन्होंने कॉलोनी की समस्याओं से विधायक एवं नपाध्यक्ष को अवगत कराते हुए कहा कालोनी में बिजली, पानी की समस्याएं हैं। कालोनी को नगरीय सुविधाओं से उपेक्षित किया जा रहा है। विधायक ने कालोनी की समस्याओं के निदान का भरोसा दिलाया है।

पुरस्कार, प्रमाण पत्र पाकर उत्साहित दिखे प्रतिभागी सनसिटी कालोनी के देवी दरबार में पूरे नौ दिनों तक चले सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को सनसिटी कालोनी समिति की ओर से पुरस्कार वितरण कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। गौरतलब है यहां गरबा का आयोजन किया गया, जिसमें कालोनी की महिला प्रतिभागियों ने उत्साह से माता रानी की आराधना की। विधायक एवं नपाध्यक्ष द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिंहों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनोज सिंह चौहान ने किया।

शहीद जवानों को नमन करने निकली वीर अहीर रेजिमेंट यात्रा

छतरपुर, देशबन्धु। लद्दाख के रेजांग ला में वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान 13-कुमाऊं बटालियन की कंपनी सी ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी, जिसमें अहीर समुदाय के 114 भारतीय जवान शहीद हुए थे। इन्हीं जवानों की स्मृति में पूरे देश में वीर अहीर रेजिमेंट यात्रा निकाली जा रही है, जो शुक्रवार को छतरपुर पहुंची।

छत्रसाल चौक के पास कांग्रेस कार्यालय के बाहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष गगन यादव के नेतृत्व में समृति रैली का स्वागत करके कहा गया कि कांग्रेस पार्टी सरकार से अहीर रेजीमेंट का गठन करने की मांग कर रही है, जो शहीद जवानों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिले के नौगांव कस्बे में भी वीर अहीर रेजिमेंट यात्रा का प्रवेश होते ही सैकड़ों युवाओं और स्थानीय नेताओं ने भव्य स्वागत किया। यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने कहा अहीर रेजीमेंट हमारा हक है। यात्रा नौगांव से टीकमगढ़ जिले की ओर रवाना हो गई है।

चयनित 78 विद्यालयों के सौ से अधिक बच्चों का किया गया एफएलएन सर्वे

छतरपुर, देशबन्धु। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की गाईडलाइन के अनुसार बच्चों की बौद्धिक समझ और ज्ञान परखने के लिए जिले के चयनित 80 विद्यालयों में से 78 विद्यालयों में एफएलएन वार्षिक सर्वे किया गया है।

डीपीसी अरुण शंकर पाण्डेय ने बताया बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को परखने के लिए 318 फील्ड इन्वेस्टीगेटर्स टीम ने दो दिन में सर्वे कार्य पूर्ण किया है। डाईट प्राचार्य आरके वर्मा, एपीसी अकादमिक नीरज खरे सहित जिले के सभी बीआरसीसी, बीएसी एवं सीएसी ने इस सर्वे की मॉनीटरिंग कर डाटा संग्रहित किया है। उन्होंने बताया जिले के 80 चिन्हित विद्यालयों में से 78 में वर्तमान में कक्षा 3 में पढ़ने वाले 822 व 4 में अध्ययनरत 885 बच्चों सहित कुल 1707 बच्चों का सर्वे दो चरणों में किया गया। प्रथम दिवस कक्षा 3 के एवं द्वितीय दिवस कक्षा 4 में अध्ययनरत बच्चों का सर्वे किया गया है। इसमें बच्चों में भाषा, गणित एवं अंग्रेजी की मूलभूत समझ को परखा गया। उन्होंने बताया सर्वे के नतीजों के आधार पर भविष्य में जिले में शिक्षा एवं शिक्षण की बेहतरी के लिए नए प्रयास किए जाएंगे।

एनसीईआरटी के टूल्स से सर्वे : जिले के चिन्हित 80 स्कूलों में से 78 स्कूलों में सर्वे के लिए एनसीईआरटी द्वारा जारी गाईडलाइन और टूल्स का उपयोग किया गया। जिनके माध्यम से बच्चों की हिन्दी, गणित और अंग्रेजी जैसे विषयों की बुनियादी दक्षता को परखा गया।

विदाई गीतों के साथ मातारानी को किया विसर्जित

घुवारा, देशबन्धु। शारदे नवरात्रि पर नगर में जगह, जगह रखी माता रानी मूर्तियों के पास नौ दिन तक बड़ा ही हार्षोउल्लास का माहौल देखा गया सुबह सभी पंडालों में माता रानी की आरती तो वहीं शाम को पंडालों में भक्तिमय वातावरण के साथ संगीतमय आरती के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम देखें गये अधिकांश भक्त माता रानी की उपासना में लीन दिखाई दिए वहीं नवमी के दिन माता रानी के सभी पंडालों में विधि-विधान से हवन पूजन किया करते हुए माता रानी से हमेशा कृपा बनाये रखने की मंगलकामनाएं की उसके बाद दसवें दिन दोपहर को भक्तों द्वारा माता रानी की झांकी सजाई कर नगर में शोभायात्रा निकाली गई जिसमें माता रानी के विदाई गीतों के साथ उनको विदा करते हुए बच्चे महिलाएं एवं युवा वर्ग ने माता रानी को शासन नदी में ले जाकर बड़ी श्रद्धा भाव से आरती उतार कर माता रानी को विदा किया जिसमें कई महिलाओं व बच्चों के आंखों से आंसू तक निकलते हुए देखा गया।

प्रशासन के मौजूदगी में हुआ विसर्जन : शांति व सद्भावना किसी अप्रिय घटना घटित न हो जिसके लिए स्थानीय प्रशासन राजस्व अधिकारी पुलिस,नगर परिषद सहित कई अमलो को घाट स्थल पर तैनात करके माता रानी की मूर्तियों को नदी में विर्जसित किया जिसमें कुल 67 मूर्तियों को उपथाना प्रभारी मोहर सिंह सिकरवार द्वारा शांति तरीके से विसर्जित कराया गया वहीं नगर के हर गली मुहल्ले में रखी स्थल प्रतिमाओ का निरीक्षण करते हुए शांति सद्भावना बनाये रखने की बात कही वहीं सभी को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आपसी वैर मनुष्यता को त्याग कर सद्भावना भाईचारे के साथ दशहरा पर्व मनाने की अपील की।

शिवहरे परिवार के घर ईडी का छापा, जांच जारी

छतरपुर, देशबन्धु। जिला मुख्यालय के ग्राम बगौता में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने पूर्व नल फिटिंग ठेकेदार अनंतराम शिवहरे और पूर्व सब इंजीनियर मुकेश शिवहरे के निवास पर छापा मारा। भोपाल से आई 5 सदस्यीय टीम, 4 पुलिसकर्मियों के साथ घर में दाखिल हुई, समाचार लिखे जाने तक जांच जारी है।

ईडी की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग या अन्य वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी हो सकती है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। टीम घर के अंदर दस्तावेजों सहित परिवार की संपत्ति की जांच कर रही है।

दोपहर को एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ, जिसमें एक व्यक्ति खाद्य सामग्री लेकर शिवहरे परिवार के घर पर पहुँचाते दिखाई दिया। जिससे ये चर्चा आम हो गई, कि घर के अंदर अधिकारियों की खातिरदारी की जा रही है। इधर शिवहरे निवास पर जब ईडी की कार्रवाई चल रही थी, तभी दोपहर में सोनम कुशवाहा ने वहां आकर अनंतराम शिवहरे पर प्लॉट पर उसका कब्जाने का आरोप लगाया है। महिला ने बताया करीब 8 साल पहले उसके पिता ने अनंतराम शिवहरे से 2 लाख रुपये उधार लिए थे। अनंतराम ने इन्हीं पैसों की वसूली की आड़ में धोखे से उसके पिता के बगौता तिराहे के पास मौजूद प्लॉट की रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली है। जिसकी कीमत करीब 40 लाख रुपये है।

पुलिस लाइन में मंत्रोच्चार के साथ उत्साह से किया शस्त्र पूजन

दशहरा पर शस्त्र पूजन का धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व है : डॉ वीरेन्द्र कुमार

छतरपुरए देशबन्धु। दशहरा पर्व पर शक्ति और सुरक्षा का प्रतीक माना जाने वाला शस्त्र पूजन पुलिस लाइन में उत्साह के साथ शस्त्र व वाहनों की पूजा करके मनाया गया। इसके साथ ही मंगल आरती भी की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार अपने संबोधन में कहा कि दशहरा पर शस्त्र पूजन का धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व है। मां दुर्गा और मां काली की आराधना कर यज्ञ में आहुति देकर बुराइयों को दूर करने का संदेश दिया जाता है। उन्होंने कहा इस बार अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण करने वाला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जब भी कोई कार्य शुरु करता है तो उसे पूरा करता है, यही कारण है कि कई राजनैतिक दल केवल संघ का विरोध करने में लगे रहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कांग्रेस ने भी संघ जैसा संगठन बनाने का प्रयास किया था, लेकिन कांग्रेस सेवा संगठन का कोई वजूद नहीं दिखा। विधायक ललिता यादव ने कहा कि रावण रुपी बुराई का दहन करके हमें अच्छाई की राह पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर इस वर्ष प्रदेश में दशहरा पर्व सरकार और समाज मिलकर धूमधाम के साथ मना रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस लाइन में आयोजित जिले के मुख्य शस्त्र पूजन कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार, विधायक अरविंद पटेरिया, विधायक कामाख्या प्रताप सिंह, जिपं अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री, नपाध्यक्ष ज्योति चौरसिया, छतरपुर रेंज के डीआईजी विजय कुमार खत्री, कलेक्टर पार्थ जैसवाल, एसपी अगम जैन, जिपं सीईओ नमः शिवाय अरजरिया, एसडीएम अखिल राठौर सहित कई जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी शामिल हुए।

अभिमत

हम सब जानते हैं हमारे जंगल बहुत कम हो गए हैं। इससे भूस्खलन व भूक्षरण ज्यादा हो रहा है। पानी को स्पंज की तरह अपने में समाने वाले जंगल कट गए हैं। जंगलों के कटान के बाद झाड़ियां और चारे जलावन के लिये काट ली जाती हैं। जंगल और पेड़ बारिश के पानी को रोकते हैं। वह पानी को बहुत देर तो नहीं थाम सकते लेकिन पानी के वेग को कम करते हैं।

बाढ़ की समस्या का मुकाबला कैसे करें?

नवाचार

■ बाबा मायाराम

पिछले दिनों देश के कई कोनों से लगातार बाढ़ से तबाही की खबरें आई हैं। अब यह समस्या स्थायी सी हो गई है। हर साल बाढ़ आती है, तबाही की खबरें आती हैं, लेकिन उसके बारे में पूर्व तैयारी नहीं होती। एक समग्र सोच का अभाव सभी जगह दिखाई देता है। आज बाढ़ पर थोड़ी चर्चा करना उचित होगा, जिससे इसे समग्रता में देख सकें। इसके समाधानों के बारे में सोच सकें।

हम बचपन से देखते आ रहे हैं कि पहले भी बाढ़ आती थी लेकिन वह इतने व्यापक कहर नहीं ढाती थी। इसके लिए पूरी तरह लोग व गांव तैयार रहते थे। बल्कि इसका उन्हें इंतजार रहता था। खेतों को बाढ़ के साथ आई नई मिट्टी मिलती थी, भरपूर पानी लाती थी जिससे प्यासे खेत तर हो जाते थे। पीने के लिये पानी मिल जाता था, भूजल ऊपर आ जाता था, नदी नाले, ताल-तलैया भर जाते थे। समृद्धि आती थी। बाढ़ आती थी, मेहमान की तरह जल्दी ही चली जाती थी। पर यह बाढ़ तबाही मचाती है।

हम सब जानते हैं हमारे जंगल बहुत कम हो गए हैं। इससे भूस्खलन व भूक्षरण ज्यादा हो रहा है। पानी को स्पंज की तरह अपने में समाने वाले जंगल कट गए हैं। जंगलों के कटान के बाद झाड़ियां और चारे जलावन के लिये काट ली जाती हैं। जंगल और पेड़ बारिश के पानी को रोकते हैं। वह पानी को बहुत देर तो नहीं थाम सकते लेकिन पानी के वेग को कम करते हैं। वे स्पीड ब्रेकर का काम करते हैं। लेकिन पेड़ नहीं रहेंगे तो बहुत गति से पानी नदियों में आएगा और इधर-उधर बह जाएगा, और बर्बादी करेगा। और यही हो रहा है।

यह भी देखा जा रहा है कि पहले नदियों के आस-पास बहुत पड़ती जमीन होती थी, नदी-नाले होते थे, लम्बे-लम्बे चारागाह होते थे, दूब और घास होती थी, उनमें पानी थम जाता था। बड़ी नदियों का ज्यादा पानी छोटे- नदी नालों में भर जाता था। लेकिन अब उस जगह पर भी या तो खेती होने लगी है या वह जमीन का उपयोग किसी और कामों के लिए होने लगा है। यानी इसमें कमी आ गई है।

एक और कारण है- लगातार बढ़ता शहरीकरण और विकास कार्य भी इस समस्या को बढ़ा रहे हैं। बहुमंजिला इमारतें, सड़कों राजमार्गों का जाल बन गया है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह अवरुद्ध हो गए हैं। जहां पानी निकलने का रास्ता नहीं रहता है, वहां दलदलीकरण की समस्या हो जाती है। इससे न केवल फसलों को नुकसान होता है बल्कि बीमारियां भी फैलती हैं। जो तटबंध बने हैं, वे टूट-फूट जाते हैं जिससे लोगों को बाढ़ से बाहर निकलने का समय भी नहीं मिलता। इससे जान-माल की हानि होती है।

इसी प्रकार वेटलैंड (जलभूमि) की जमीन पर भी अन्य गतिविधियां होने लगी हैं। इससे पर्यावरणीय और जैव विविधता को खतरा उत्पन्न हो गया है। शहरों में तो यह समस्या बड़ी है। पानी निकलने का रास्ता ही नहीं है। सब जगह पक्के कांक्रीट के मकान, हाईवे और सड़कें हैं। जैसे कुछ सालों पहले मुंबई की बाढ़ का किस्सा सामने आया था। वहां मीठी नदी ही गायब हो गई, और जब पानी आया तो शहर जलमग्न हो गया। ऐसी हालत ज्यादातर शहरों की हो जाती है।

लेकिन बाढ़ के कारण और भी हैं। जैसे बड़े पैमाने पर रेत खनन। रेत पानी को स्पंज की तरह जज्ब करके रखती है। रेत खनन किया जा रहा है। रेत ही नहीं रहेगी तो पानी कैसे रुकेगा, नदी कैसे बहेगी, कैसे बचेगी। अगर रेत रहेगी तो नदी रहेगी। लेकिन जैसे ही बारिश ज्यादा होती है, वेग से पानी बहता है, उसे ठहरने की कोई जगह नहीं रहती।

कई बांध व बड़े जलाशयों में नदियों को मोड़ दिया जाता है, उससे नदी ही मर जाती है। नदियां बांध दी जाती हैं। लोग समझते हैं कि यहां नदी तो है नहीं, क्यों न यहां खेती या इस खाली पड़ी जमीन का कोई और उपयोग किया जाए, तभी जब बारिश ज्यादा होती है तो पानी को निकलने का रास्ता नहीं मिलता। और यही पानी बाढ़ का रूप धारण कर लेती है इससे बर्बादी होती है।

कई बांध व बड़े जलाशयों में नदियों को मोड़ दिया जाता है, उससे नदी ही मर जाती है। नदियां बांध दी जाती हैं। लोग समझते हैं कि यहां नदी तो है नहीं, क्यों न यहां खेती या इस खाली पड़ी जमीन का कोई और उपयोग किया जाए, तभी जब बारिश ज्यादा होती है तो पानी को निकलने का रास्ता नहीं मिलता। और यही पानी बाढ़ का रूप धारण कर लेती है इससे बर्बादी होती है। मौसम बदलाव भी एक कारण है।

मौसम बदलाव भी एक कारण है। पहले सावन-भादो में लंबे समय तक झड़ी लगी रहती थी। यह पानी फसलों के लिये और भूजल पुनर्भरण के लिये बहुत उपयोगी होता था। फसलें भी अच्छी होती थी और धरती का पेट भी भरता था। पर अब बड़ी-बड़ी बूंदों वाला पानी बरसता है, जिससे कुछ ही समय में बाढ़ आ जाती है। वर्षा के दिन भी कम हो गए हैं।

बीज बचाओ आंदोलन व चिपको आंदोलन के कार्यकर्ता रहे विजय जडधारी बताते हैं कि आजकल उत्तराखंड की पहचान अतिवृष्टि और तबाही से बन रही है लेकिन यदि 50 -100 साल पहले की बात करें तो यहां इससे भी ज्यादा बारिश होती थी, सावन के महीने को अंधियारा महीना कहते थे, तब सावन के महीना दिन में सूरज के दर्शन नहीं होते थे। न रात में तारे दिखते थे, चौमासा यानी चार महीने बारिश के लिए थे। लेकिन तब कहीं प्राकृतिक आपदाएं नहीं होती थी। बादल फटना शब्द कहीं नहीं था। न भू स्खलन होता था। उच्च हिमालय से इक्का-दुक्का घटनाएं हुई हैं। लेकिन आज चारों ओर तबाही ही तबाही हो रही है और प्रकृति को दोष दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि हिमालय दुनिया की छत है। हिमालय पर हो रही आपदाएं प्राकृतिक नहीं है, यह मानव निर्मित है। हिमालय कोई सामान्य पहाड़ नहीं है, हिमालय और गंगा हमारी सभ्यता व संस्कृति का आधार है इसीलिए हमारे ऋषि मुनियों ने उत्तराखंड हिमालय को देवभूमि कहा है।

इसके अलावा पानी के परम्परागत ढांचों की भी भारी उपेक्षा हुई है। ताल, तलैया, तालाब, खेतों में मेड़ बंधान आदि से भी पानी रुकता है। हर गांव में तालाब थे। आज भी छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में तालाब की पानीदार परंपराएं हैं, जिनसे काफी कुछ सीखा जा सकता है। यह तालाब गांव के लोगों ने बनाए और बचाए हैं।

कुछ समय पहले मैं राजस्थान गया था। और वहां कुछ जिलों में घूमा, और देखा कि वहां सैकड़ों साल पुराने तालाब हैं। आज भी स्थानीय लोग उनका पानी पीते हैं। उन्होंने उनकी सार-संभाल की है। और आज भी कर रहे हैं।

लेकिन आज हम इन पर ध्यान न देकर भूजल के इस्तेमाल पर जोर दिया जाता है। हमारी बरसों पुरानी परम्पराओं में ही आज की बाढ़ जैसी समस्या के समाधान के सूत्र छिपे हैं। अगर ऐसे समन्वित विकल्पों पर काम किया जाए तो न केवल बाढ़ जैसी बड़ी समस्या से निजात पा सकते हैं। पर्यावरण, जैव-विविधता और बारिश के पानी का संरक्षण कर सकेंगे। लेकिन क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ना चाहेंगे?

बीता सप्ताह

27 सितम्बर

- वायुसेना से लड़ाकू विमान मिग-21 को विदाई दी गई।
- डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रांडेड दवाओं पर लगाया 100 प्रतिशत टैरिफ।
- शेनचोड-20 अंतरिक्ष यात्री दल ने अपनी चौथी बाध्यान गतिविधि को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।
- लद्दाख में पर्यावरण विद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वायचुंग की गिरफ्तारी के बाद हालत नाजुक।

28 सितम्बर

- तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में भगदड़ होने से 40 लोगों की मौत हो गई।
- वरिष्ठ पत्रकार और द स्टेटसमैन के पूर्व संपादक एम एल कोटरू का निधन हो गया।
- बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकवादी परमिंदर सिंह पिंडी को यूएई से भारत लाया गया।
- कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और विपक्ष के नेता राहुल गांधी दक्षिण अमेरिका के चार देशों की यात्रा पर रवाना हुए।

29 सितम्बर

- विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद की सदस्यता की दावेदारी की।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार हर नौ मिनट में रेबीज से एक इंसान की मौत होती है।
- इरान पर संयुक्त राष्ट्र के 6 प्रतिबंध फिर से लागू हो गए। जो ईरान के परमाणु संवर्धन पर प्रतिबंध है।
- एलओसी पर घुसपैठ की नाकाम कोशिश करने वाले जम्मू कश्मीर के कूपवाड़ा में दो आंतकी मारे गए।

30 सितम्बर

- जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 6 लोगों की हत्या का आरोपी है।
- केरल विधानसभा में एसआईआर के खिलाफ प्रस्ताव पास हुआ।
- केन्द्र सरकार ने शिरीष चंद मुर्मू को तन साल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया।
- गुयाना में भारतीय उच्चायोग ने विकसित भारत दौड़ आयोजित कर वैश्विक शांति का दिया संदेश।

1 अक्टूबर

- आरबीआई ने नए दिशा निर्देश जारी कर कहा कि स्मॉल बिजनेस को कर्ज नियमों में छूट दी जाएगी।
- पाकिस्तान के क्वेरा में बम धमाके से दस लोगों की मौत हो गई।
- जम्मू कश्मीर में कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस ने केन्द्र सरकार से बातचीत पर इंकार कर दिया।
- राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने लद्दाख के लोगों को धोखा दिया है।

2 अक्टूबर

- केन्द्र सरकार ने गेहूं सहित 6 फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी किया।
- एम-3 एम हुरून इंडिया रिच लिस्ट 2025 के अनुसार भारत में तेजी से बढ़ रही है अरबपतियों की संख्या। 1687 कारोबारियों में 1000 करोड़ से अधिक संपत्ति।
- भारत-रूस की अहम बैठक अफगानिस्तान और पाकिस्तान मुद्दे पर वार्ता हुई।
- आरबीआई का रेपोरेट पूर्व की भांति 5.50 प्रतिशत पर स्थिर रहा।

समाचार मीडिया और गांधी

■ राजेश बहुगुणा

समाचार पत्रों के माध्यम से ही गांधी सफल जन नेता के रूप में उभरे थे। दक्षिण अफ्रीका में समाचार पत्रों में प्रवासी भारतीयों के पक्ष में आवाज उठाने की कार्यवाही गांधी निरन्तर करते थे। समाचार पत्रों में पत्र लिखने के दौरान ही गांधी को भारतीयों की आवाज रखने के लिए अपने समाचार पत्र की जरूरत महसूस हुई जिसका परिणाम 'इंडियन ओपिनियन' समाचार पत्र था। दक्षिण अफ्रीका के आन्दोलन में इंडियन ओपिनियन समाचार पत्र की इतनी महत्वपूर्ण भूमिका थी कि महात्मा गांधी ने अपनी आत्मकथा और अपनी दूसरी पुस्तक 'दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह का इतिहास' दोनों ही में इंडियन ओपिनियन पर एक अध्याय लिखा। उन्होंने स्वीकार किया है कि इस अखबार के द्वारा मुझे मनुष्य के रंग-बिरंगे स्वभाव का बहुत ज्ञान मिला। संपादक और ग्राहकके बीच निकट का और स्वच्छ सम्बन्धं स्थापित करने की ही धारणा होने से मेरे पास हृदय खोलकर रख देने वाले पत्रों का ढेर लग जाता था। उसमें तीखे, कड़वे, मीठे यों भांति-भांति के पत्र मेरे नाम आते थे। उन्हें पढ़ना, उन पर विचार करना, उनमें से विचारों का सार लेकर उत्तर देना यह सब मेरे लिए शिक्षा का उत्तम साधन बन गया था। मुझे ऐसा अनुभव हुआ मानो इसके द्वारा मैं समाज में चल रही चर्चाओं और विचारों को सुन रहा होऊं। मैं संपादक के दायित्व को भली-भांति समझने लगा और मुझे समाज के लोगों पर जो प्रभुत्व प्राप्त हुआ, उसके कारण भविष्य में होने वाली लड़ाई संभव हो सकी, वह सुशोभित हुई और उसे शक्ति प्राप्त हुई।

दक्षिण अफ्रीका में अल्पसंख्यक भारतीयों के हितों के लिए दक्षिण अफ्रीका की उपनिवेशी रंगभेदी सरकार के खिलाफ गांधी ब्रिटिश सरकार के न्याय पर भरोसा कर रहे थे। भारत में इसी ब्रिटिश सरकार के विरूद्ध गांधी की सीधी लड़ाई थी। प्रेस पर नियंत्रण का अनुभव गांधी को दक्षिण अफ्रीका में नहीं हुआ था। भारत में दक्षिण अफ्रीका की तुलना में अधिक शिक्षित एवं जागरूक भारतीयों को ध्यान में रखते हुये प्रेस पर नियंत्रण 18वीं सदी के अंत में ही प्रारम्भ हो गये थे किन्तु 1835 में मेटकॉफ ने भारतीय प्रेस को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर दिया लेकिन 1857 के विद्रोह के बाद प्रेस पर सरकारी नियंत्रण भारतीय समाज के राजनैतिक जागरण के साथ बढ़ता ही गया। वायसराय कर्जन के बंगाल के विभाजन के निर्णय के खिलाफ व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन की परिस्थितियों में ब्रिटिश सरकार ने भारत में प्रेस पर नियंत्रण के कानूनों को कठोरता से लागू किया था।

भारत आने पर कुछ वर्षों तक गांधी ब्रिटिश सरकार से न्यायोचित व्यवहार की ही आशा कर रहे थे, लेकिन पंजाब में रॉलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड ने ब्रिटिश सरकार के प्रति गांधी का दृष्टिकोण पूरी तरह बदल दिया। जनता को जागरूक करने में समाचार पत्रों की भूमिका दक्षिण अफ्रीका में ही अनुभव करते हुये गांधी ने भारत आने के कुछ वर्षों के भीतर ही 'नवजीवन' और 'यंग इंडिया' समाचार पत्र निकालना प्रारंभ किया कुलीन वर्ग में सीमित कांग्रेस के दरवाजे उन्होंने आम जनता के लिये खोल दिये। इसी भारतीय जनता को जागरूक करने में गांधी के सम्पूर्ण भारत में दौरे एवं भाषणों का असर तो था ही, लेकिन 'यंग इंडिया' एवं 'नवजीवन' ने भी बड़ी भूमिका निभायी थी।

अपने जीवन में चार समाचार पत्रों 'इंडियन ओपीनियन' यंग इण्डिया नवजीवन और हरिजन के संचालन एवं सम्पादन के दौरान गांधी ने सैकड़ों आलेख लिखे हैं। समाचार पत्रों के साथ उनके पचास वर्ष से भी अधिक के संबंध के दौरान लिखे गये इन आलेखों के माध्यम से गांधी ने मीडिया के प्रत्येक पक्ष पर न केवल अपने विचार रखे हैं, वरन इन वर्षों में समाचार पत्र के स्वामी, सम्पादक या पत्रकार के रूप में सत्ता एवं जनता के साथ उनके कार्य व्यवहार से समाचार मीडिया पर उनकी दृष्टि भी पाठकों को स्पष्ट हो जाती है।

गांधी के लिए समाचार पत्र सदैव आम जनता को शिक्षित करने और आम जनता अथवा पत्र के पाठकों के हित व दृष्टिकोण को सत्ता और सत्ता से जुड़े अन्य संस्थान के सामने रखना रहा। इसलिये गांधी जनता को सामाजिक, राजनीतिक एवं शैक्षणिक सभी स्तरों पर बेहतर एवं जागरूक करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील दिखते हैं। गांधी की यह स्पष्ट राय है कि अखबारों के माध्यम से ही शासन को जनता के अभिमत का पता चलता है और यदि समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लागू की जाती है तो फिर शासन केवल अपने अधीनस्थों की सूचना पर ही निर्भर रह जाएगा और वास्तविक जानकारी से अपरिचित रहेगा जो स्वयं शासन के लिए ही हितकर नहीं है। समाचार पत्रों की विश्वसनीयता के लिए गांधी स्पष्ट थे कि समाचार पत्र में सच्ची और विश्वसनीय खबरों को ही स्थान मिलना चाहिए। एक जगह उन्होंने यह भी कहा कि यदि खबर जिसे समाचार पत्र आवश्यकता पड़ने पर स्वयं सिद्ध नहीं कर सकते लेकिन उनके अखबार में छपती है तो वह वास्तव में अपराध ही करते हैं। समाचार पत्र अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तब ही बनाये रख सकता है जबकि किसी अन्य संस्था से प्राप्त होने वाली राशि पर आर्थिक रूप से निर्भर नहीं हो इसलिए गांधी अखबारों को चलाने के लिए आय के स्त्रोत के रूप में विज्ञापनों का सहारा लेना उचित नहीं मानते। गांधी के अनुसार समाचार पत्र अपने पाठकों के नियमित ग्राहक शुल्क पर ही चलाया जाना चाहिए और यह समाचार पत्र के पाठकों की जिम्मेदारी है कि यदि वे अपने समाचार पत्र को पसंद करते हैं तो उसे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रखने के लिए नियमित रूप से ग्राहक शुल्क प्रदान करें।

गांधी को समाचार पत्रों पर सरकार की ओर से नियंत्रण का अनुभव भारत आकर ही हुआ था। भारत में समाचार पत्रों की स्वतंत्रता के लिए मुम्बई में आयोजित एक विशाल सार्वजनिक सभा में गांधी ने प्रगतिशील राज्य के लिए स्वतंत्र सार्वजनिक पत्र की आवश्यकता स्पष्ट करते हुए अपने भाषण में कहा कि-

'एक स्वस्थ और प्रगतिशील राज्य के लिए स्वतंत्र सार्वजनिक पत्रों का होना पहली आवश्यक शर्त है और यह बात सभ्य लोगों के उचित राजनीतिक और नैतिक विकास के लिए जरूरी है; एवं सार्वजनिक जीवन के समस्त क्षेत्रों में स्वतन्त्रता का प्रवेश और उसका कायम रखा जाना लोगों के उत्थान, और सन्तोष तथा सरकार और लोगों के पारस्परिक विश्वास की अचूक गारंटी है।'

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता गांधी इतने उच्चतम स्तर तक रखना चाहते हैं कि उनके अनुसार- 'भाषण स्वातंर्त्य का मतलब तो यही है कि हमारे वचन कितने ही कठोर और चोट पहुंचाने वाले क्यों न हो, फिर भी उस स्वतन्त्रता पर आक्रमण न किया जाये।'

समाचार पत्रों की तरह ही गांधी सम्पादक पद को भी आजीविका के लिए नहीं बल्कि लोकसेवा के लिये मान्य करते हैं। गांधी सम्पादक को यह भी सलाह देते हैं कि विरोधी पक्ष को भी अखबार में स्थान दिया जाए। गांधी समाचार पत्र को लोकप्रिय बनाये रखने के लिये स्थानीय समाचारों को भी अखबार में रखने की सलाह देते हैं। गांधी विश्वसनीय खबरों को ही समाचार पत्र में स्थान देने के लिए जोर देते हैं और यदि खबर के कारण कतिपय पक्ष से निंदा अथवा शासन पक्ष से रोष की स्थिति भी हो तो सम्पादक को निर्भीक रहने की सलाह देते हैं। पत्रकारों की विषम स्थिति से भी गांधी अपरिचित नहीं हैं। एक जगह गांधी ने पत्रकारों की विषम स्थिति के संबंध में लिखा है कि-

'पत्रकार का जीवन कभी सुख-चैन का जीवन नहीं होता। उस पर वे जिम्मेदारियां होती है जिनका शायद जनता को समुचित खयाल भी नहीं होता। एक तरफ तो उसे अपने मालिकों को खुदा रखना पड़ता है और दूसरी ओर लोकमत का प्रतिनिधित्व करना होता है। ऐसा करने में उसे बड़ा त्याग करना पड़ सकता है। उसको अक्सर परस्पर विरोधी स्वाथों से निबटना पड़ता है और उसके सामने जो मामले आते हैं उन पर जनता के दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि अपने दृष्किोण से भी विचार करना पड़ता है और जब उसके अपने ही शुद्ध अन्त:करण से मान्य विचार किसी खास मामले में लोकमत के विपरीत होते हैं तब स्थिति बड़ी नाजुक हो जाती है।'

यह स्थिति आज भी समाचार मीडिया में अनुभव की जा सकती है। गांधी के साथ अनेक घटनाएं हुई जिनमें पत्रकारों के द्वारा गांधी के कहे को उनकी भावना के अनुरूप प्रकाशित नहीं किया गया और गांधी को इसके लिए सफाई देना पड़ी। उस समय भी गांधी पत्रकारिता के गिरते स्तर से चिंतित थे और उनके अनुसार भारत में जिसे कोई दूसरा काम नहीं मिलता और थोड़ा भी पढ़ना लिखना जानता है, वह अखबार नवीसी करने लगता है। इसे आज भी अनुभव किया जा सकता है। गांधी देशी भाषा के समाचार पत्र एवं पत्रकारिता के सदैव पक्षधर रहे क्योंकि देशी भाषा को समझने वाले भारतीयों की संख्या अंग्रेजी समझने वालों की तुलना में बहुत अधिक थी और अखबार का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना ही रहता है। गांधी के अनुसार पत्रकार की समाज में भूमिका जनता को सही दिशा की ओर ले जाना है हालांकि गांधी कतिपय पत्रकारों द्वारा पीत पत्रकारिता के अन्तर्गत झूठी शिकायतों के सहारे पैसा वसूलने की घटनाओं से भी परिचित थे। ऐसी पत्रकारिता से इससे बचने का एक ही उपाय गांधी बताते हैं कि ऐसे असत्य लेखों की कोई चिन्ता ही न की जाए। आजादी के समय बढ़ते साम्प्रदायिक तनाव में पत्रकारों एवं समाचार पत्रों द्वारा असत्य खबरों के माध्यम से साम्प्रदायिक तनाव बढ़ाने को लेकर भी गांधी बहुत चिंतित रहे ।

गांधी पाठकों से प्राप्त होने वाले पत्रों को न केवल समाचार पत्र में स्थान देते वरन पाठकों के पत्रों के आधार पर समाचार पत्र में अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने के लिए आलेख भी लिखते थे। गांधी ने समाचार पत्र के सामाजिक क्लब बनाने का सुझाव दिया जिसमें एक समाचार पत्र से ही समाज के अनेक लोगों को समाचार पढ़ने में कोई आर्थिक बोझ नहीं हो सकता था। इसी तरह पढ़े-लिखे पाठकों को भी गांधी सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनाते हुए यह सुझाव भी देते हैं कि वे निरक्षर लोगों को समाचार पढ़कर सुनायें और उन्हें जागरूक करें। आजादी की लड़ाई के दौरान जब कुछ अखबार साम्प्रदायिक तनाव बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे, उस समय गांधी पाठकों को यह भी चेतावनी देते हैं कि हिन्दू और मुसलमानों के खिलाफ जो कुछ लोग कहें उसे बिना जांचें हरगिज न माने।

गांधी पाठकों से प्राप्त होने वाले पत्रों को न केवल समाचार पत्र में स्थान देते वरन पाठकों के पत्रों के आधार पर समाचार पत्र में अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने के लिए आलेख भी लिखते थे। गांधी ने समाचार पत्र के सामाजिक क्लब बनाने का सुझाव दिया जिसमें एक समाचार पत्र से ही समाज के अनेक लोगों को समाचार पढ़ने में कोई आर्थिक बोझ नहीं हो सकता था। इसी तरह पढ़े-लिखे पाठकों को भी गांधी सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनाते हुए यह सुझाव भी देते हैं कि वे निरक्षर लोगों को समाचार पढ़कर सुनायें और उन्हें जागरूक करें। आजादी की लड़ाई के दौरान जब कुछ अखबार साम्प्रदायिक तनाव बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे, उस समय गांधी पाठकों को यह भी चेतावनी देते हैं कि हिन्दू और मुसलमानों के खिलाफ जो कुछ लोग कहें उसे बिना जांचें हरगिज न माने। प्रेस की स्वतंत्रता बरकरार रखने के लिए ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रेस का नियंत्रण किये जाने की स्थिति पर गांधी पाठकों को चलता-फिरता समाचार पत्र बनकर समाचार एक दूसरे को सुनाने की सलाह देते हैं। आजादी के बाद भी अखबार में साम्प्रदायिक सदभाव को बिगाड़ने वाली असत्य घटनाओं के प्रकाशन से चिंतित होकर गांधी पाठकों से यह अपील करते हैं कि-

'आज़ादी के जमाने में तो यह पब्लिक का फर्ज हो जाता है कि गन्दे अखबारों को न पढ़ें, उनकों फेंक दें। जब उन्हें कोई लेगा नहीं तो वे अपने-आप ठीक रास्ते पर चलने लगेंगे। अगर हम ऐसा करेंगे तो अखबार अपना सच्चा धर्म का पालन करेंगे।'

राजनीति से प्रेरित है गांधी से नफ़रत का अभियान

संयुक्त राष्ट्र ने 2 अक्टूबर 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में घोषित किया है। दुनिया ने गांधी को शांति के दूत के रूप में मान्यता दी है। अहिंसा और शांति के वैश्विक प्रतीक के रूप में गांधी के सम्मान में कुल 102 देशों ने उनकी प्रतिमाएं स्थापित की हैं। वे पिछली दो सहस्राब्दियों में जन्म लेने वाले 10 उत्कृष्ट व्यक्तित्वों में से एक हैं जिनके बारे में सबसे अधिक लिखा गया है।

हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि, 'गांधीजी एक वैश्विक प्रतीक हैं और अहमदाबाद में उनके निवास साबरमती आश्रम को एक विश्व स्तरीय स्मारक में बदल दिया जाएगा।' 1200 करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी योजना पर काम चल रहा है। भारत का शीर्ष नेतृत्व गांधीजी को छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकता। यह स्पष्ट रूप से समझा जाता है कि गांधीजी भारत का वैश्विक चेहरा हैं। इसलिए उनका निरतंर उल्लेख किया जाना जारी है।

प्रधानमंत्री ने नवंबर, 2014 से सितंबर, 2025 तक विदेशी संसदों में दिए 17 भाषणों में से 6 में महात्मा गांधी का सीधे उल्लेख किया है। उन्होंने कई अन्य अवसरों पर अप्रत्यक्ष रूप से गांधीजी का उल्लेख किया है। उन्होंने बापू को अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग के लिए इस्तेमाल किया है। स्थिरता और समानता के बारे में बात करते हुए उन्होंने गांधी के मूलभूत सिद्धांतों का उल्लेख किया है। मोदी के अंतरराष्ट्रीय भाषणों में अक्सर गांधी के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के संदेश का उल्लेख होता है। उनके राजनयिक उद्देश्यों में यह संदेश उनकी अच्छी मदद कर रहा है।

डा. सुदर्शन अयंगर

अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गांधीजी ने जाति आधारित हिंसा के खिलाफ स्पष्टऔर संरचनात्मक दोनों तरह से बिताया। दलितों को संवैधानिक अधिकार दिलाने के संघर्ष का नेतृत्व करने वाले डॉ. बीआर अंबेडकर के साथ अपने तीखे मतभेदों के बावजूद लोगों के दिलो-दिमाग से अस्पृश्यता को दूर करने के अपने अभियान को गांधीजी ने जारी रखा था।

उन्होंने देश में भी 2 अक्टूबर, 2014 को 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरुआत की। हाल ही में वे स्वदेशी पर मुखर रहे हैं। प्रतीकवाद अपने चरम पर है। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 में चेक-इन सेक्शन में प्रवेश करते हुए कोई भी व्यक्ति एक विशाल चरखा देख सकता है। यह हस्तचालित चरखा बर्मा सागौन से बना है और इसका वजन चार टन है। द्वार 4 और 5 के बीच चरखे के नीचे स्थापित पट्टिका में गांधीजी के योगदान का स्पष्ट रूप से उल्लेख है। स्थापना के अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा था-'चरखा आईजीआई हवाई अड्डे पर यात्रियों को भारत की कालातीत विरासत तथा स्थिरता और सद्भाव के मूल्यों की याद दिलाने का काम करेगा और इसी उद्देश्य से इसे बनाया गया है।' उन्होंने देश के नागरिकों से खादी को अपनाने की अपील की है। दुनिया के किसी भी कोने से आने वाला यात्री अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 'गांधीजी के पदचिह्न' नामक एक छोटी सी प्रदर्शनी को देखने का अवसर नहीं छोड़ता है।

इसके बावजूद जिस देश में वे पैदा हुए, रहे और अपना बलिदान दिया, वहां उनके खिलाफ पिछले 25 वर्षों के दौरान एक घृणा अभियान तेज हो गया है। गांधी नफरत करने लायक व्यक्ति बन गए हैं। मुसलमानों के प्रति उनके कथित पक्षपात के लिए उनसे नफरत की जाती है। अस्पृश्यता को दूर करने के लिए उनके 15 साल के अथक प्रयत्नों का मजाक उड़ाया जाता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल और नेताजी सुभाषचंद्र बोस की अनदेखी करने के लिए उनकी निंदा की जाती है। भगत सिंह की फांसी के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया गया है। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान हाशिए पर है। बोस द्वारा उन्हें दी गई 'राष्ट्रपिता' की उपाधि का उपहास उड़ाया जाता है। सोशल मीडिया ने हम भारतीयों के मन में गांधी की छवि को नष्ट कर दिया है।

'गांधी का गुजरात' आज एक बुरा शब्द है। जहरीली नफ़रत के साथ प्रकट और छिपी हुई हिंसा ने लोगों के दिलो-दिमाग पर कब्जा कर लिया है। कट्टरपंथी हिंदू भीड़ बेहिचक आगे बढ़ रही है और कानून के रक्षक भी उन पर विशेष रोक-टोक नहीं करते। यह जानकर दुख होता है कि कट्टरपंथियों की भीड़ नवरात्रि गरबा महोत्सव के आयोजकों से कड़ी पूछताछ करती है कि मुसलमानों को कितने पास और टिकट जारी किए गए हैं। एक तरफ गरबा नृत्य चल रहा है तो उसी समय भीड़ मुस्लिम प्रतिभागियों की जांच करती है।

इस साल की शुरुआत में राजनीतिक रैलियों, धार्मिक जुलूसों, विरोध मार्च और सांस्कृतिक समारोहों जैसे कार्यक्रमों में हुए भाषणों में अभद्र भाषा के उपयोग की संख्या बढ़ी है। 2024 में 1,165 मामले सामने आए जबकि एक साल पहले इनकी संख्या 668 थी । रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल चुनाव अभियान के दौरान नफ़रत फैलाने वाले भाषण चरम पर थे।

अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गांधीजी ने जाति आधारित हिंसा के खिलाफ स्पष्ट और संरचनात्मक दोनों तरह से बिताया। दलितों को संवैधानिक अधिकार दिलाने के संघर्ष का नेतृत्व करने वाले डॉ. बीआर अंबेडकर के साथ अपने तीखे मतभेदों के बावजूद लोगों के दिलो-दिमाग से अस्पृश्यता को दूर करने के अपने अभियान को गांधीजी ने जारी रखा था। क्या अंबेडकर और गांधी दोनों के प्रयासों को हम भारतीय विफल नहीं कर रहे हैं? 2025 में भी तथाकथित उच्च और श्रेष्ठ जाति के लोगों ने दलितों का अपमान करने, निंदा करने, शोषण, बलात्कार, घायल करने और मारने का कोई मौका नहीं छोड़ा।

गांधी के प्रति नफ़रत का अभियान सुनियोजित और राजनीति से प्रेरित है। इस तरह के प्रायोजित हमले के पीछे का दिमाग धोखेबाज है। जातिगत मानसिकता पूरी तरह से खेल खेलती है। नफ़रत करने वाले लोग भारत में मुसलमानों को 'सबसे निचली जाति' बनाना चाहते हैं जिसे समाज में हलके दर्जे के काम करने के लिए मजबूर किया जाए। ये तत्व चाहते हैं कि उन्हें गरीबी और दरिद्रता में सड़ना और दबाव में आकर इस देश को छोड़ देना चाहिए। हम भारत के नागरिक क्या इस बात को समझते हैं कि हम नफ़रत, निंदा व भेदभाव कर, चोट पहुंचाकर और हत्या करके दुश्मनी का माहौल बना रहे हैं? कोई भी प्रत्यक्ष, छिपी हुई और संरचनात्मक हिंसा मजबूत भावनाओं और कड़वाहट को जन्म देती है जो हिंसा की जड़ है।

हमें समझना चाहिए कि जब किसी वर्ग को निशाना बनाया जाता है और उसका बहिष्कार किया जाता है तथा जब लोग सीधे तौर पर व राज्य धोखे से यह खेल खेलते हैं, तो पीड़ित समूह नाराज होकर बदला लेने पर उतारू हो जाता है। ऐसे समुदायों में रोटी कमाने वालों को उचित अवसर नहीं दिए जाते। वे ऐसी मुश्किल या कठिन परिस्थितियों में डाल दिए जाते हैं जहां से उनके पास निकलने का कोई विकल्प नहीं रह जाता। यह परिस्थिति नफ़रत और हिंसा के एक नए चक्र को जन्म दे सकती है जो भारत को बर्बाद कर देगी।

अहिंसा के वैश्विक प्रतीक महात्मा गांधी ने जाति आधारित हिंसा को समाप्त करने और हिंदू-मुस्लिम एकता को बढ़ावा देने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। फिर भी आधुनिक भारत में उनकी विरासत को षड्यंत्रपूर्वक रचे घृणा अभियानों के माध्यम से बदनामी का सामना करना पड़ता है। अस्पृश्यता को मिटाने और समानता को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों के बावजूद 2025 में भी दलितों और मुसलमानों को भेदभाव, शोषण और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है जो गांधी और डॉ. अंबेडकर दोनों के दृष्टिकोण को धोखा दे रहा है।

सामाजिक और राजनीतिक ताकतें अल्पसंख्यकों को हाशिए पर डाल देती हैं, बहिष्कार एवं प्रतिरोध के माध्यम से उन्हें 'सबसे निचली जाति' के रूप में मानती हैं जिससे दुश्मनी और संभावित प्रतिशोध का माहौल पैदा होता है। सत्य, अहिंसा और वैश्विक एकता पर जोर देने वाले गांधी के सत्याग्रह के दर्शन ने दुनिया भर के आंदोलनों को प्रेरित किया लेकिन संकीर्ण लाभ के लिए इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने वालों से भारत को खतरा है। गांधी की 156वीं जयंती पर भारत को नफ़रत को अस्वीकार करना चाहिए, अंतरधार्मिक संवाद को अपनाना चाहिए और अलगाव को दूर करने तथा शांतिपूर्ण भविष्य को सुरक्षित करने के लिए न्याय को बनाए रखना चाहिए।

(लेखक महात्मा गांधी द्वारा 1920 में स्थापित गुजरात विद्यापीठ के पूर्व कुलपति हैं। सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

कांग्रेस विधायक को तहसीलदार ने बैठक में जाने से रोका, सिंधिया वापस लेकर आए

ग्वालियर, देशबन्धु। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा बुलाई गई बैठक में कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार को जाने से तहसीलदार ने रोक दिया, जिससे वह नाराज होकर वापस जाने लगे। जैसे ही सिंधिया की नजर उन पर पड़ी, वह स्वयं उठकर गए और सिकरवार को बैठक में लेकर आए।

दरअसल, केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा आज ग्वालियर नगर के विकास कार्यों की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक रखी गई थी। जिसमें शामिल होने के लिए कांग्रेस विधायक सिकरवार भी पहुंचे थे। जैसे ही वह बैठक कक्ष की तरफ बढ़े तहसीलदार ने उन्हें उन्हें कक्ष में जाने से रोक दिया। जिसके बाद विधायक नाराज होकर वापस लौटे, अभी वह चंद कदम ही चले थे कि सिंधिया स्वयं उनके पास आए और उन्हें विनम्रतापूर्वक अपने साथ बैठक में ले गए।

बैठक में प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट, कैबिनेट मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर और कुछ कांग्रेस पार्षद भी मौजूद थे। इस दौरान सिंधिया ने 11 प्रमुख विकास योजनाओं पर चर्चा की, जिनमें एलिवेटेड रोड, रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण, आगरा एक्सप्रेसवे, वेस्टर्न बायपास और चंबल नदी से पानी की आपूर्ति जैसे प्रोजेक्ट शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे हों।

CHANGE OF NAME & DOB

I , MADHURI IS MOTHER OF ARMY NO - 14848463K RANK HAV NAME SHELAR GHANSHAM DILEEP SERVING IN UNIT NCO ACADEMY C/O 56 APO HOME ADDRESS AT VPO - TAMHANE , DIST - RATNAGIRI , STATE - MAHARASHTRA, PIN - 415804 HAVE CHANGED MY NAME FROM MADHURI TO MADHURI DILIP SHELAR AND CHANGED MY DOB FROM 01/07/1961 To 12/05/1961 IN MY ALL DOCUMENTS. VIDE AFFIDAVIT DATED 03/10/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , SMT KARNATI SIVA KUMARI SPOUSE OF NAME KARNATI MADHAVA REDDY RESIDENT OF 1-55 , VILL- PACHALA VENKATAPURAM , POST -PACHALA VENKATAPURAM , TEH - BESTAVARIPETA,DIST - PRAKASAM , STATE - ANDHRA PRADESH, PIN - 523346 HAVE CHANGED MY NAME FROM SMT KARNATI SIVA KUMARI TO KARNATI SIVA KUMARI. VIDE AFFIDAVIT DATED 04/10/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I ,KARNATI GURAMMA MOTHER OF NAME KARNATI MADHAVA REDDY RESIDENT OF 1-55 , VILL - PACHALA VENKATAPURAM , POST -PACHALA VENKATAPURAM , TEH - BESTAVARIPETA,DIST - PRAKASAM , STATE - ANDHRA PRADESH, PIN - 523346 HAVE CHANGED MY NAME FROM KARNATI GURAMMA TO KARNATI GURRAMMA . VIDE AFFIDAVIT DATED 04/10/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , SHRIDEVI D KULLUR SPOUSE OF NAME DHAREPPA S KULLUR RESIDENT OF VILL - NALLANATTI , PO - NALLANATTI , TEH - GOKAK , DIST - BELAGAVI, STATE - KARNATAKA, PIN - 591307 HAVE CHANGED MY NAME FROM SHRIDEVI D KULLUR TO SHRIDEVI DHAREPPA KULLUR. VIDE AFFIDAVIT DATED 04/10/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME & DOB

I, SHELAR DILEEP GOVIND IS FATHER OF ARMY NO - 14848463K RANK HAV NAME SHELAR GHANSHAM DILEEP SERVING IN UNIT NCO ACADEMY C/O 56 APO HOME ADDRESS AT VPO - TAMHANE , DIST - RATNAGIRI , STATE - MAHARASHTRA, PIN - 415804 HAVE CHANGED MY NAME FROM SHELAR DILEEP GOVIND TO DILIP GOVINDRAO SHELAR AND CHANGED MY DOB FROM 01/07/1957 To 25/06/1956 IN MY ALL DOCUMENTS. VIDE AFFIDAVIT DATED 03/10/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME & DOB

I , ARMY NO - 14840597N RANK HAV NAME SURENDRA KUMAR PRESENTLY RESIDING AT GRAM/POST - GOARKHURD , TEH /JILA - BHIND , GOARA ,GOAR KHURD , BHIND, MEHGAON, MADHYA PRADESH, 477660 PRESENTLY WORKING AT 612(I) TK TPTR PLASC C/O 56 APO I DECLARE THAT MY MOTHER CORRECT NAME & DOB IS SHANTI DEVI 01/01/1957 . THE SAME NAME & DOB WAS MENTIONED IN HIS AADHAR CARD, BUT IN MY ARMY SERVICE RECORD MY MOTHER NAME & DOB WAS MENTIONED AS SANTI DEVI 01/07/1958 . INSTEAD OF MENTIONING AS SHANTI DEVI 01/01/1957 . VIDE AFFIDAVIT DATED 04/10/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

मुख्यमंत्री ने की समीक्षा बैठक, कहा- श्रीराम पथ गमन और श्रीराम राजा लोक का निर्माण भव्यता के साथ करें पूरा

श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के दृष्टिगत हों निर्माण कार्य

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के बाद पर्यटकों और श्रद्धालुओं का सारा फोकस चित्रकूट पर है। श्रीराम पथ गमन और श्रीराम राजा लोक के निर्माण कार्य भव्यता के साथ किये जाएं। साथ ही श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को प्राथमिकता में रखें। सभी विभाग आपसी समन्वय और तालमेल के साथ प्रभावी कार्यवाही करें। समयबद्ध योजना के अनुसार आवंटित राशि का समुचित उपयोग करें और प्रबंधन कर सभी निर्माणाधीन कार्य समय-सीमा में पूरे करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीराम पथ गमन निर्माण से पहले परिक्रमा पथ तैयार किया जाए, इससे देश-विदेश के पर्यटकों के बीच चित्रकूट का व्यापक प्रचार होगा। उन्होंने कहा कि चित्रकूट के घाटों पर पर्यटकों को आध्यात्मिक अनुभव होना चाहिए और हमारे सभी प्रयास इसी दिशा में आगे बढ़ने चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में श्रीराम पथ गमन कार्य योजना की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट में धार्मिक के साथ मेडिकल पर्यटन की भी सभी संभावनाएं विकसित करने के लिए ठोस कार्यवाही की जाए। चित्रकूट में उच्च कोटि का हेल्थ वेलनेस सेंटर बनाया जाए। इससे चित्रकूट आने वाले पर्यटकों को सामान्य सहित आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने निवाड़ी जिले के ओरछा में भगवान श्री रामराजा लोक निर्माण की अद्यतन प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ल, प्रमुख सचिव लोक निर्माण सुखवीर सिंह, आयुक्त जनसम्पर्क दीपक सक्सेना, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रमुख सचिव लोक निर्माण सुखवीर सिंह ने बताया कि वर्तमान में लोक निर्माण विभाग द्वारा 34.30 कि.मी. सड़कों के निर्माण पर 117.79 करोड़ के प्रस्ताव है। इनमें से श्री राम पथ गमन के 7.5 कि.मी. मार्गों की प्रशासकीय स्वीकृति लेकर निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि 14 कि.मी. लंबाई के मार्ग की प्रशासकीय स्वीकृति के लिए वित्तीय व्यय समिति की बैठक हो चुकी है।

चित्रकूट के समग्र विकास के लिए सेवा कार्यों से संस्थाओं को भी जोड़ा जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट के समग्र विकास के लिए सेवा के कामों से जुड़ी धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं को भी जोड़ा जाए। बड़ी कम्पनियों के सीएसआर फंड से भी चित्रकूट में सेवा गतिविधियां विकसित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट में परिक्रमा पथ जल्द से जल्द तैयार किया जाए। यहां सोमवती अमावस्या पर उमड़ने वाले श्रद्धालुओं की भारी तादाद के चलते भीड़ प्रबंधन की माइक्रो प्लानिंग की जाए। उन्होंने अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास को निर्देश दिए कि चित्रकूट नगर परिषद हैं, इसलिए वहां नगरीय विकास से जुड़े सभी काम प्राथमिकता से किए जाएं। चित्रकूट नगर का सौन्दर्यीकरण इस तरह से हो कि वह और भी अधिक सुंदर, नियोजित और व्यवस्थित हो जाए।

प्रथम पृष्ठ का शेष

किसानों के चेहरों की मुस्कान.... को 653.34 करोड़ की राहत राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से किसानों के बैंक खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इसमें अतिवृष्टि/बाढ़ से हुई फसल क्षति से प्रभावित 3 लाख 90 हजार 167 किसानों को 331.34 करोड़ रूपये एवं पीला मोजेक/कीट व्याधि से हुई फसल क्षति से प्रभावित 4 लाख 94 हजार 605 किसानों को 322 करोड़ रुपये की राहत राशि शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी पीड़ित किसान भाईयों को राहत राशि देने और फसल सर्वे के कार्य में पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है। किसानों के चेहरे की खोई मुस्कान लौटाना हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 4 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से 6 लाख 69 हजार से अधिक धान उत्पादक किसानों के खाते में 337 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का अंतरण किया है। सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए भी भावान्तर योजना शुरू की गई है। फसल के विक्रय मूल्य और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अन्तर की राशि सरकार सीधे किसानों को देगी। हम किसानों का कोई नुकसान नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों भाईयों के दुख-दर्द में हम आपके सेवक बनकर खड़े हैं। किसानों के माथे का पसीना बेकार नहीं जाएगा, आपकी मेहनत फिर से हरियाली का रूप लेकर प्रदेश को समृद्ध करेगी, हम सदैव आपके साथ हैं। राज्य सरकार हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है और उनके सुख-दुःख में सहभागी है। हम प्रदेश के किसी भी किसान को आपदा में अकेला नहीं छोड़ेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहत राशि मिलने पर सभी किसानों को बधाई देते हुए कहा कि आज से ही सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए भावांतर योजना के तहत पंजीयन प्रारंभ हो गया है। अब किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। सोयाबीन मंडी में बेचें, यदि एमएसपी से कम राशि में फसल बिकती है, तो बेची गई फसल की कीमत और एमएसपी के अंतर की राशि यानि भावांतर की राशि अगले 15 दिनों में सीधे किसानों के बैंक खाते में भेज दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए किसानों को इस साल सोयाबीन का अत्यधिक भाव मिलेगा। इस बार सोयाबीन की एमएसपी 500 रुपए से अधिक बढ़कर 5328 रुपए हो गई है। केंद्र सरकार ने गेहूं की फसल के लिए फिर से एमएसपी बढ़ाई है। यह राज्य सरकार के किसानों की समृद्धि के संकल्प को पूरा करने की दिशा में लाभकारी रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी जिले के जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा की। बताया गया कि यहां मकान ढहने से प्रभावित एक किसान को 92 हजार रूपए की राहत राशि मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहत राशि पाने वाले सभी किसानों से कहा कि शेष प्रभावित जिलों के किसान निराश न हो, वहां अभी सर्वे चल रहा है और सर्वे पूरा होते ही राहत राशि दी जाएगी। राहत राशि वितरण कार्यक्रम में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई, आयुक्त राजस्व श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

राहत राशि मिलने से खत्म.... की मुआवजा राशि मिलने से किसानों के सामने खाद-बीज खरीदने का संकट खत्म हो गया है। मंदसौर जिले के सोयाबीन उत्पादक किसानों को कुल 267.30 करोड़ रूपए राहत राशि अंतरित की गई है। यहां के किसान लालदास बैरागी, श्रीमती रेखाबाई, ओमप्रकाश, श्रीमती सुनीता शर्मा ने कहा कि मुआवजा राशि पाकर किसानों की दीपावली से पहले ही दीपावली मन गई है। उज्जैन जिले के किसानों को 44 लाख रूपए राहत राशि मिली है। किसान पवन सिंह और उदय सिंह ने कहा कि सरकार ने फसल कटने से पहले ही मुआवजा राशि दे दी है। भावांतर योजना में पंजीयन कराने के लिए यहां के किसान उत्साहित हैं। विदिशा जिले के किसानों को 62 लाख रूपए दिए गए हैं। किसान भारत सिंह और मनोज कुमार ने कहा कि भारी बारिश से फसल खराब हो गयी थी, सरकार ने मुआवजा देकर बड़ी मदद की है।

भावांतर योजना लागू करने.... है। उत्साहित किसानों ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से राहत राशि मिलने से दशहरे पर ही किसानों की दीपावली हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर जिले के किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि केला आधारित उद्योगों को बढ़ावा दिया जायेगा।

केला किसानों को प्रति हेक्टेयर.... अतिवृष्टि और पीला मोजेक की राहत के रूप में 55 लाख रूपए मिले हैं। किसान कन्हैयालाल और किशोर ने कहा कि आपदा में सरकार हमारा संबल बनी है। पीला मोजैक से हुए नुकसान की उन्हें पहली बार भरपाई की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा जिले में हुए हादसे पर दुख व्यक्त किया। बड़वानी जिले के अतिवृष्टि से प्रभावित 662 किसानों को 37 लाख रूपए मुआवजा राशि दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शरद पूर्णिमा के अवसर पर वे 6 अक्टूबर को बड़वानी का दौरा कर नशा मुक्ति अभियान में सहभागिता करेंगे। किसान पुष्पेन्द्र और सालकराम ने कहा कि मुआवजा पाकर वे और उनका परिवार बेहद हर्षित है। दमोह जिले के मक्का उत्पादक अतिवृष्टि प्रभावित किसानों को 56 लाख रूपए की राहत राशि मिली है। यहां के किसान रविदास और भगवानदास ने कहा कि भावांतर योजना के पंजीयन को लेकर दमोह जिले के किसानों में बेहद उत्साह है।

CHANGE OF NAME & DOB

I , ARMY NO - 14840597N RANK HAV NAME SURENDRA KUMAR PRESENTLY RESIDING AT GRAM/POST - GOARKHURD , TEH /JILA - BHIND , GOARA ,GOAR KHURD , BHIND, MEHGAON, MADHYA PRADESH, 477660 PRESENTLY WORKING AT 612(I) TK TPTR PLASC C/O 56 APO I DECLARE THAT MY FATHER CORRECT NAME & DOB IS RAMPRAKASH MISHRA 01/01/1951. THE SAME NAME & DOB WAS MENTIONED IN HIS AADHAR CARD, BUT IN MY ARMY SERVICE RECORD MY FATHER NAME & DOB WAS MENTIONED AS RAM PRAKASH 01/07/1953 . INSTEAD OF MENTIONING AS RAMPRAKASH MISHRA 01/01/1951. VIDE AFFIDAVIT DATED 04/10/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

दूरभाष 07582-223308 फैक्स 07582-222070,224543
ई मेल- admsagar41@gmail.com

न्यायालय अपर कलेक्टर, एवं विवाह अधिकारी, जिला - सागर म.प्र.

प्रकरण क्रमांक................2024-25

विज्ञप्ति

चूंकि, विवाह के रजिस्ट्रीकरण के लिए (वर) **श्री योगेश बांगर पिता स्व. श्री रमेश कुमार बांगर** उम्र 34 वर्ष निवासी बमनाघाट पुख्याउ टौरी सागर थाना कोतवाली तहसील व जिला सागर (म.प्र.) एवं (वधू) **श्रीमति पूर्वी कोरी पुत्री श्री लक्ष्मीनारायण कोरी** उम्र 24 वर्ष निवासी बरियाघाट वार्ड सागर थाना कोतवाली तहसील व जिला सागर (म.प्र.) द्वारा स्वयं के विवाह दिनांक 23.07.2025 जो स्थान मां हरसिद्धी माता मंदिर रानगिर तहसील रहली जिला सागर (म.प्र.) से होना लेख किया है जिसके संबंध में मध्यप्रदेश हिन्दू विवाह रजिस्ट्रीकरण नियम 1984 के नियम 4 के उपनियम (*) के अधीन आवेदन जिसकी प्रति संलग्न है) अधोहस्ताक्षरी को आवेदन प्रस्तुत किया गया है और उक्त आवेदन पर विचार करने के लिए तारीख **14.10.2025** नियत की गई है।

आपको एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आप इस सूचना की प्राप्ति से दिनांक **14.10.2025** के तक अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें कि क्या आप उपरोक्त आवेदन पत्र में वर्णित विशिष्टियों की सत्यता स्वीकार करते है और क्या विवाह के तथ्यों को हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 (1955 का सं. 25) की धारा 8 के अधीन बनाये रखे गये हिन्दू विवाह रजिस्टर में प्रविष्टि किये जाने के संबंध में आपको कोई आपत्ति है।

यदि उपरोक्त कालावधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नही होती तो यह समझा जावेगा कि विवाह के रजिस्ट्रीकरण के संबंध में आपको कोई आपत्ति नही है। आप व्यक्तिगत रूप से तारीख 14/10/2025 को उपस्थित हो सकते है और ऐसा न करने पर कार्यवाहियां आपकी अनुपस्थिति में विनिश्चय की जाने के दायित्वोधीन होंगी।

अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला-सागर म.प्र.

कार्यालय नगर परिषद मालथौन, जिला-सागर (म.प्र.)

क्रं. /लोक निर्माण/निविदा/2025/4558 मालथौन दिनांक 03.10.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीय ई-रजिस्ट्रेशन प्रणाली से म0प्र0 लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत समस्त ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं	टेंडर क्रं. जारी दिनांक	कार्य का नाम एवं स्थान	कार्य की समयावधि (वर्षाकाल सहित) एवं लागत	निविदा प्रपत्र एवं अमानत राशि	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_ 455602_1 03.10.2025	निकय क्षेत्रांतर्गत प्रस्तावित स्टेडीयम की बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य	1-04 माह 2-34.60 लाख	1-5000.00 2- 26000.00	04.11.2025

नोट:- निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन www.mptenders.gov.in की बेवसाइट पर ही प्रकाशित किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद मालथौन, जिला सागर

कार्यालय नगर परिषद पलेरा जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)

क्रमांक / राजस्व/2025/न.प. पलेरा/422 दिनांक-24.09.2025

हक के अन्तरण
इस्तहार म्यादी 30 दिवस

म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अन्तर्गत आवेदक द्वारा कर संधारण पंजी में कर संग्रहण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है अत: इस आवेदन के सम्बन्ध में जिस किसी को आपत्ति हो 30 दिवस म्याद के अन्दर नगर परिषद पलेरा में अपनी अनापत्ति (सप्रमाण पत्र सहित) प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने पर प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

विवरण निम्नानुसार

क्रं.	आवेदक का नाम	अनावेदक का नाम	हक अन्तरण का प्रकार	सम्पत्ति का विवरण	वार्ड क्रं. एवं स्थान
1	2	3	4	5	6
1	आशा देवी पत्नि बसंत लाल गुप्ता निवासी वार्ड क्रमांक 02 पलेरा	भगवंत प्रताप सिंह, भूपेन्द्र प्रताप सिंह तनय अन्नेक सिंह ठाकुर निवासी वार्ड क्रमांक 03 पलेरा	रजिस्ट्री, डायवर्सन, खसरा, शपथ पत्र, मकान की फोटो	खसरा क्रं.74/1 और रकबा 0.271 आरे में से रकबा 0.012 आरे अर्थात् (46+40)/2 × 25 =1075 वर्ग फीट +1000=2075 वर्गफीट	वार्ड नम्बर 02 पलेरा

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद पलेरा जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-सागर (म.प्र.)

क्रमांक / 1192/ खनिज / 2025 सागर, दिनांक 29.09.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए

द्वितीय सूचना

सागर जिले में म.प्र. राजपत्र असाधारण दिनांक 22/01/2021 के पालन में गौण खनिज गिट्टी क्रशर, बोल्डर, मुरम, उत्खनन पट्टो के निम्न सूची अनुसार क्षेत्रों पर ऑनलाईन आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। इन क्षेत्रों पर आवेदन प्रस्तुत करनें हेतु प्रथम सूचना प्रकाशित की गई थी। इन क्षेत्रों पर पुन: प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस तक इन क्षेत्रों पर यथास्थिति उत्खनन पट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल **https://ekhanij.mp.gov.in** पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन पत्रों का संक्षिप्त विवरण

क्रं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदन दिनांक	खनिज का नाम	ग्राम एवं तहसील का नाम	खसरा नंबर व रकवा	क्षेत्र का विवरण
1	2	3	4	5	6	7
1	श्री महेन्द्र सिंह लोधी पिता श्री लोकमन सिंह लोधी निवासी ग्राम रंगोली, तहसील सागर, जिला सागर	16.06.2025	पत्थर (यांत्रिकी क्रिया द्वारा गिट्टी निर्माण) एवं बोल्डर, पत्थर से निर्मित रेत (यांत्रिकी क्रिया द्वारा)	ग्राम आपचंद तहसील सागर	ख.क्रं. 114 रकवा 1.22 हेक्टयर	शासकीय भूमि
2	मेसर्स एस.टी. इंटरप्राइजेज प्रो. श्री राहुल भार्गव निवासी भगत सिंह वार्ड सागर	16.06.2025	पत्थर (यांत्रिकी क्रिया द्वारा गिट्टी निर्माण) एवं मुरम, पत्थर से निर्मित रेत (यांत्रिकी क्रिया द्वारा)	ग्राम जसराज तहसील सागर	ख.क्रं. 366 रकवा 3.00 हेक्टयर	शासकीय भूमि
3	श्री वीरेन्द्र सिंह ठाकुर आ. श्री महेन्द्र सिह ठाकुर निवासी ग्राम बामोरा, तहसील सागर	27.06.2025	मुरम, बोल्डर, पत्थर से निर्मित रेत (यांत्रिकी क क्रिया द्वारा)	ग्राम पिपरिया रामवन तहसील सागर	ख.क्रं. 92/1 रकवा 4.00 हेक्टयर	शासकीय भूमि
4	श्री आदित्य ताम्रकार पिता श्री राजेन्द्र ताम्रकार निवासी महावीर वार्ड, दमोह	08.07.2025	पत्थर (यांत्रिकी क्रिया द्वारा गिट्टी निर्माण) एवं बोल्डर	ग्राम आपचंद तहसील सागर	ख.क्रं. 547 रकवा 2.00 हेक्टयर	शासकीय भूमि
5	श्री अक्षय गुरू आत्मज श्री जगदीश गुरू निवासी ग्राम पटकुई बरारू, सागर	14.07.2025	मुरम	ग्राम श्यामपुरा तहसील सागर	ख.क्रं. 1 एवं 44 रकवा 3.00 हेक्टयर	शासकीय भूमि
6	श्री शुभदीप सिंह पिता श्री संदीप सिंह निवासी वार्ड नंबर 2, कैंट बोर्ड, सागर	10.07.2025	मुरम	ग्राम श्यामपरा तहसील सागर	ख.क्रं. 32 रकवा 2.00 हेक्टयर	शासकीय भूमि

(1) उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्रों में आवेदित क्षेत्रों के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5: 30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

(2) यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

(3) यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

(4) यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।

(5) निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला-सागर

जी-19532/25

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-सागर (म.प्र.)

क्रमांक / 119/ खनिज / 2025 सागर, दिनांक 29.09.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए,

प्रथम सूचना

सागर जिले में म.प. राजपत्र असाधारण दिनांक 22/01/2021 के पालन में गौण खनिज पत्थर (क्रशर द्वारा गिट्टी निर्माण हेतु), बोल्डर, मुरम उत्खनन पट्टो के निम्न सूची अनुसार क्षेत्रों पर ऑनलाईन आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस तक इन क्षेत्रों पर यथास्थिति उत्खनन पट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन पत्रों का संक्षिप्त विवरण

क्रं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदन दिनांक	खनिज का नाम	ग्राम एवं तहसील का नाम	खसरा नंबर व रकवा	क्षेत्र का विवरण
1	2	3	4	5	6	7
1	श्रीमती सारिका ठाकुर पति श्री लखन सिंह ठाकुर निवासी ग्राम अटारी बेरखेडी, सागर	04.09.2025	पत्थर (यांत्रिकी क्रिया द्वारा गिट्टी निर्माण), बोल्डर, मुरम, पत्थर से निर्मित रेत (यांत्रिकी क्रिया द्वारा)	ग्राम पुरेनाकरन तहसील देवरी	ख.क्रं. 12 रकवा 3.770 हेक्टेयर	शासकीय भूमि
2	श्री दिग्विजय सिंह ठाकुर पिता श्री जुगराज सिंह ठाकुर निवासी वार्ड नं. 10, ग्राम तातरवारा, तहसील बण्डा, जिला सागर	01.09.2025	मुरम	ग्राम हीरापुर, तहसील शाहगढ	ख.क्रं. 1131 रकवा 3.90 हेक्टेयर	शासकीय भूमि
3	श्री विजय पटेल पिता श्री शिब्बू पटेल निवासी रजाखेड़ी मकरोनिया सागर	02.09.2025	मुरम	ग्राम अर्जुन तहसील सागर	ख.क्रं. 124 रकवा 2.00 हेक्टेयर	शासकीय भूमि
4	श्री ध्रुव घोषी पिता श्री रणवीर घोषी निवासी पंत नगर वार्ड, सागर	04.09.2025	मुरम	ग्राम अर्जुन तहसील सागर	ख.क्रं. 124 रकवा 2.00 हेक्टेयर	शासकीय भूमि
5	श्री देवेन्द्र रपरया पिता श्री राधेश्याम रपरया निवासी ग्राम तेनदुखेड़ा, जिला नरसिंहपुर	23.09.2025	बोल्डर, मुरम	ग्राम आमाखोह तहसील केसली	ख.क्र. 46/2,46/1/2 38/2 रकवा 2.60 हेक्टयर	निजी भूमि
6	श्री गजेन्द्र सिंह पिता श्री फूल सिंह निवासी ग्राम बसाहरी, तहसील खुरई, जिला सागर	23.09.2025	गुरम	ग्राम बहाहरी तहसील खुरई	ख.क्रं. 2625/4 रकवा 2.00 हेक्टयर	शासकीय भूमि
7	श्री राघवेन्द्र सिंह पिता श्री उत्तम सिंह निवासी वार्ड 11 शाहपुर, जिला सागर	24.09.2025	पत्थर (यांत्रिकी क्रिया द्वारा गिट्टी निर्माण)	ग्राम मसोसा तहसील सागर	ख.क्र. 23 रकवा 2.00 हेक्टयर	शासकीय भूमि
8	श्री संतोष खटीक पिता श्री किशोरीलाल निवासी रजाखेड़ी मकरोनिया, सागर	26.09.2025	पत्थर (यांत्रिकी क्रिया द्वारा गिट्टी निर्माण)	ग्राम खेजराबाग तहसील सागर	ख.क्र. 7/1 रकवा 3.00 हेक्टयर	शासकीय भूमि

(1) उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्रों में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर इन क्षेत्रों पर यथास्थिति उत्खनन पट्टा (कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

(2) यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा ।

(3) यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुन: 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करनें हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदन भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्रों पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

(4) यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।

(5) निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

जी-19521/25

प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा, जिला-सागर

सार समाचार

रिश्तों की मिठास को बढ़ाता है दशहरा पर्व का पान : खटीक

पलेरा, देशबन्धु। नगर में शुक्रवार को पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष एवं भाजपा नेता सुनील खटीक ने दशहरा पर्व अनोखे ढंग से मनाया। उन्होंने भाजपा पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं के साथ नगर के मुख्य बाजार में भ्रमण किया। इस दौरान दुकानदारों और आम लोगों को पान बांटकर दशहरा की शुभकामनाएं दी। भाजपा नेता सुनील खटीक ने कहा कि पान खाने की परंपरा दशहरे पर खास मानी जाती है। पुराने समय में युद्ध जीतने के बाद राजा अपने सैनिकों को पान खिलाकर विजय का जश्न मनाते थे। आज भी कई जगह दशहरा के दिन लोग रावण दहन के बाद एक-दूसरे को पान खिलाकर गले मिलते हैं। खटीक ने कहा कि पान को सम्मान, सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। पान खाने से रिश्तों में मिठास और ताजगी बनी रहती है, इसके अलावा पान में मौजूद कत्था, सुपारी, लौंग जैसी चीजें पाचन शक्ति को बढ़ाने का काम करती हैं जो व्रत के बाद भारी भोजन खाने में मदद भी करती हैं।

हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे 3 आरोपियों को पुलिस ने बछोड़ा जंगल से किया गिरफ्तार

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोमवार की सुबह को ग्राम बैदऊ में हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने तीन और आरोपियों को बछोडा के जंगल से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से फरसा, लाठी व बुलेरो वाहन को जप्त किया है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उक्त आरोपी जेल भेज दिए गए हैं। गत 29 सितंबर को दिगौड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बैदऊ निवासी फरियादी लालू उर्फ हरनाम पिता तिलक सिंह घोष (उम्र 19 वर्ष) द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि गांव के ही कई व्यक्तियों द्वारा पुरानी बुराई के चलते एकराय होकर उनके पिता पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया गया है।

आरोपी मनीष सिंह घोष, श्रीपत उर्फ सिरपत घोष, सजन घोष, झुमक घोष, रविन्द्र उर्फ बंटी घोष, राजवीर घोष, उपदेश घोष, नरेन्द्र सिंह घोष एवं श्रीमती उजबंती घोष बोलेरो वाहन में सवार होकर हाथ में फरसा, कुल्हाड़ी एवं लाठी लिए घटनास्थल पर पहुंचे और तिलक सिंह घोष पर जान से मारने की नीयत से गंभीर हमला किया।

इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया।

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में दिगौड़ा पुलिस ने 1 अक्टूबर को मामले के मुख्य आरोपी श्रीपत उर्फ सिरपत घोष (उम्र 50 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। आज 3 अक्टूबर को मुखबिर सूचना के आधार पर 3 अन्य आरोपी मनीष सिंह घोष पिता श्रीपत घोष 25 वर्ष, सजन घोष पिता भजनलाल घोष 45 वर्ष, झुमक घोष पिता भजनलाल घोष 48 वर्ष निवासी बैदऊ को बछोड़ा के जंगल से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल हथियार (फरसा, लाठी) एवं बोलेरो वाहन को जप्त किया गया। 3 आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष मिश्रा, सउनि कल्याण सिंह यादव, प्रधान आरक्षक राकेश घोष, आनंद सुडेले, अनिल रिछारिया, विजय घोष, आरक्षक राघवेन्द्र, नीलू सिंह, जगभान रजक, अंकित साहू, महिला आरक्षक राखी यादव की मुख्य भूमिका रही।

अवैध शराब तस्करों को ग्रामीणों ने दबोचा, पुलिस के हवाले किया

टीकमगढ़, देशबन्धु। देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत श्रीनगर गांव में ग्रामीणों ने एक अवैध शराब तस्कर को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। घटना बुधवार देर रात हुई। घटना तब हुई जब तस्कर 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) और दशहरा के 'ड्राई डे' पर बांटने के लिए अवैध शराब ले जा रहा था। ग्रामीणों ने तस्कर को रंगे हाथों पकड़ा और उसे पीटा। ग्रामीणों ने जब सख्ती के साथ उससे पूछताछ की तो तस्कर ने अपना नाम भन्नू राय बताया। उसने बताया कि ठेकेदार के यहां से शराब लेकर ग्रामीण इलाकों में डिलीवरी देने जा रहा था।

गांव के लोगों ने दो लोगों को पड़कर देहात थाना पुलिस को सूचना दी है। बता दें कि तस्कर रात के समय अवैध शराब लेकर जा रहा था, जिसका उद्देश्य गांधी जयंती और दशहरा जैसे 'ड्राई डे' पर ज्यादा दाम पर बेचना था। ग्रामीणों ने घटना का वीडियो भी बनाया है।

पूरे मामले की सूचना देहात थाना पुलिस को दी गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पिछले कुछ महीनों से जिले के ग्रामीण इलाकों में लोगों ने शराब पीने वालों और बेचने वालों पर पाबंदी लगाने का फैसला लिया है। जिसके चलते गांव-गांव में लोग शराब विक्रय पर निगरानी रखने लगे हैं। आज रात जैसे ही श्रीनगर गांव के लोगों को अवैध शराब तस्कर के बारे में जानकारी लगी तो उन्होंने घेरकर उसे पकड़ लिया।

कांग्रेस महासचिव ने दी धरने की चेतावनी, कहा

थाना प्रभारी कर रहे लोगों को परेशान, हटाया जाए

टीकमगढ़, देशबन्धु। जतारा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम महेवा चक्र 2 में गुरुवार को आयोजित दशहरा मिलन समारोह राजनीतिक गहमा-गहमी का केंद्र बन गया। इस अवसर पर कांग्रेस प्रदेश महासचिव किरण अहिरवार ने प्रशासन को कड़ा अल्टीमेटम जारी किया। कांग्रेस महासचिव किरण अहिरवार ने खुले मंच से घोषणा की कि यदि 15 दिन के भीतर बम्होरी कला और चंदेरा थाना प्रभारियों का ट्रांसफर नहीं किया गया, तो वह एसपी कार्यालय पर धरना देंगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि जतारा विधानसभा क्षेत्र में भ्रष्टाचार और गड़बड़ी चरम पर हैं।

उन्होंने इन दोनों थानों का विशेष जिक्र करते हुए कहा कि यहां के थाना प्रभारी लंबे समय से पदस्थ हैं, जिससे व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ये चुन-चुनकर हमारे लोगों को परेशान कर रहे हैं।

किसानों के मुद्दे पर सरकार को घेरा किरण अहिरवार ने बुंदेलखंड के किसानों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि इस साल हुई भारी बारिश से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन भाजपा सरकार ने अभी तक न तो खेतों का सर्वे कराया है और न ही किसानों को मुआवजा दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर कथनी और करनी में अंतर का आरोप लगाते हुए किसानों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

किरण अहिरवार ने उपस्थित कार्यकर्ताओं और आमजन के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि वह भ्रष्टाचार करने वालों को कानून के दायरे में लाने के लिए काम करती रहेंगी। इस समारोह में श्रीपत यादव, डॉ रमेश शर्मा, पूरन यादव, गजेंद्र सिंह बुंदेला, ब्लॉक अध्यक्ष सचिन जैन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अब देखना यह है कि प्रशासन कांग्रेस महासचिव के इस अल्टीमेटम पर क्या कार्रवाई करता है।

नप अध्यक्ष प्रतिनिधि ने जूस पिलाकर तुड़वाया पार्षद का अनशन

पलेरा, देशबन्धु। नगर परिषद की वार्ड क्रमांक 1 में बीते शुक्रवार को एक अजीब स्थिति देखने को मिली। कांग्रेस पार्षद अशोक नापित उर्फ राज ने शुक्रवार को अपनी ही पार्टी के नेतृत्व वाली नगर परिषद के खिलाफ प्रदर्शन किया। दशहरा पर्व एवं गांधी जयंती के दिन नगर के वार्ड क्रमांक एक में स्थित पठेश्वरी मंदिर के पास पार्षद अशोक नापित धरना देते हुए भूख हड़ताल पर बैठ गए। उन्होंने विकास कार्यों को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए कई मुद्दों को उठाया।

कांग्रेस पार्षद की मांगों का समर्थन करते हुए पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सुनील खटीक एवं उपाध्यक्ष संदीप तिवारी उर्फ रानू भाजपा पार्षदों के साथ प्रदर्शन में शामिल हुए। बीते शनिवार के दिन कांग्रेस के नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि विनोद वर्मा, स्वच्छता प्रभारी छत्रपाल प्रजापति, जल शाखा प्रभारी नितिन शर्मा धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कांग्रेस पार्षद राज नापित द्वारा लेख किए गए 6 बिंदुओं पर कार्यवाही किए जाने का आश्वासन दिया एवं नारियल जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया।

वृद्धा के अंतिम संस्कार में अचानक पहुंचा बंदर

टीकमगढ़, देशबन्धु। एक वृद्ध महिला के निधन के बाद उसके अंतिम संस्कार में अचानक एक बंदर पहुंच गया। घटना जिले के खजरी गांव की है। यहां एक वृद्ध महिला के अंतिम संस्कार में एक वानर ने श्रद्धा भाव से महिला के पार्थिव शरीर के पास बैठा रहा और अग्निसंस्कार तक साथ रहा।

दरअसल, कमला देवी (80) परिहार के निधन के बाद परिवार के लोग उनका अंतिम संस्कार करने मुक्तिधाम पहुंचे, तो वहां एक बंदर आ गया। बंदर लगभग दो घंटे तक अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के दौरान चिता के पास बैठा रहा।

कमला देवी परिहार, रणजीत सिंह परिहार की पत्नी थीं और उनकी तीन बेटियां थीं, उन्हें बेटा नहीं है। वे प्रतिदिन गांव के हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना करने जाती थीं। उनके पति रणजीत सिंह ने बताया कि कमला देवी को हमेशा इस बात की चिंता रहती थी कि उनका अंतिम संस्कार कौन करेगा।

30 सितंबर को कमला देवी का निधन हो गया। परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और ग्रामीण उनकी अंतिम यात्रा लेकर मुक्तिधाम पहुंचे, तो अचानक एक बंदर चिता के पास आकर बैठ गया। यह बंदर अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया के दौरान, जो लगभग 2 घंटे चली, वहीं पास में मौजूद रहा।

दशहरा पर विधायक, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने किया शस्त्र पूजन

टीकमगढ़,देशबन्धु। दशहरा पर्व के पावन अवसर पर पुलिस लाइन परिसर में पारंपरिक रूप से शस्त्र का पूजन आज दिनांक 2 अक्टूबर 2025 को विधायक जतारा हरिशंकर खटीक, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमति सरोज सिंह राजपूत,पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई,कलेक्टर विवेक श्रोतीय सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया।

काय्रक्रम में माँ दुर्गा का पूजन किया गया,शस्त्रों को तिलक लगाया गया एवं विधिविधान से हवन पूजन किया गया साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा कूष्मांड की बलि देते हुए कार्यक्रम को पूर्ण किया,कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ । इस अवसर पर जिले में सुख-शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की कामना की गई।

शस्त्र पूजन कार्यक्रम में पूर्व विधायक राकेश गिरी,भाजपा जिला उपाध्यक्ष अभय प्रताप यादव ,जनप्रतिनिधि,गणमान्य नागरिक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा , एसडीओपी टीकमगढ़ राहुल काटरे, रक्षित निरीक्षक कैलाश पटेल, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक उपेन्द्र छारी, थाना प्रभारी देहात निरीक्षक चंद्रजीत यादव,निरीक्षक रवि गुप्ता सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ,कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित सभी पुलिस बल के जवानों को विजयादशमी की शुभकानाएं दीं। कहा है, कि यह पर्व सत्य की असत्य पर विजय का प्रतीक है। उन्होंने पुलिस बल को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का संदेश भी दिया।

ग्राम थर और कछौरा में शराबबंदी लागू

शराबबंदी : हर महीने दोहराते हैं संकल्प, बदल गई गांव की तस्वीर

टीकमगढ़, देशबन्धु। पलेरा थाना क्षेत्र के एक गांव से प्रारंभ हुई शराबबंदी की मुहिम अब तेजी से गांव-गांव में बढ़ रही है। बीते शुक्रवार को ग्राम पंचायत कछौरा एवं थर गांव के ग्रामीणों ने संकल्पित होकर शराबबंदी के फैसले को गांव में लागू कर दिया है। कछौरा गांव के पूर्व सरपंच सरजू प्रसाद राजपूत एवं गांव के वरिष्ठजन बताते हैं कि वे हर माह बैठक कर गांव में न कोई शराब पिएगा न कोई बेचेगा के संकल्प को दोहराते हैं। इसके बाद हम लोग खेतीबाड़ी, पशुपालन, परिवारों के बीच चल रहे मनमुटाव, स्कूल-आंगनवाड़ी के कामकाज की समीक्षा करते हैं। इसके साथ ही प्रयास करते हैं कि गांव के युवा बेरोजगारी या अन्य गांव के लड़कों की संगत में आकर इस दुर्गुण को नहीं अपना लें, इसलिए उन्हें नियमित रूप से बैठक में बुलाकर समझाइश देते हैं। उन्होंने बताया कि शराबबंदी मुहिम से मिली सफलता से उत्साहित गांव की महिलाएं तथा पुरुष अब रिश्तेदारों के अलावा दूसरे गांव के लोगों को शराबबंदी के बाद गांव में हुए बदलाव के बारे में बताते हैं। पंचायत के सचिव पुष्पेंद्र सिंह बताते हैं कि जब कभी भी मौका मिलता है। शासन स्तर पर शराबबंदी की जानकारी देते हैं। जिससे हमें जनप्रतिनिधियों से लेकर सरकारी अफसरों की शाबाशी मिलती रहती है। गांव के ग्रामीणों के अनुसार अब अपने गांव की बेटी और उसकी बरात में शामिल लोगों को शराबबंदी का संदेश देते हैं। जिस कारण शराबबंदी

कैलपुरा में धूम धाम से ग्रामीणों ने मनाया गया दशहरा उत्सव

बल्देवगढ़, देशबन्धु। ग्राम पंचायत कैलपुरा में 2 अक्टूबर महात्मा गांधी की जयंती पर समस्त ग्राम वासियों ने ग्वाल बाबा मंदिर परिसर में एकत्रित होकर दशहरा मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया । दशहरा मिलन समारोह में ग्राम के लोगों द्वारा सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया है कि, आज से ग्राम में कोई शराब नहीं बेचेगा और ना ही कोई शराब पीयेगा। यदि कोई ग्राम में शराब बेचता पाया जाता है तो उसको 11 हजार रुपए का जुर्माना देना होगा, एवं यदि कोई शराब का सेवन किए पाया जाता है तो उसे भी 5100 से दंडित किया जाएगा। यदि फिर भी इसके के बाद भी फिर भी नहीं मानेगा तो उसे समाज से बहिष्कृत कर दिया जावेगा। यह फैसला सभी समाज के लोगों द्वारा दिया गया है।

साथ ही ग्राम कैलपुरा में स्थित ठेकेदार की शराब की दुकान है, उसको कैलपुरा से हटाने का निर्णय लिया गया,दुकान हटाने के लिए समस्त ग्राम वासी एकत्रित होकर अनुविभागीय अधिकारी, कलेक्टर और थाने में आवेदन देंगे । शराब की दुकान कैलपुरा से हटाई जाएगी। सभी ग्राम वासियों ने लेख लिख दिया है।

अवैध शराब के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन पुलिस अधीक्षक दफ्तर पहुंचे

तस्करों पर कार्रवाई की मांग, ज्ञापन सौंपा

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले की तहसील क्षेत्र के श्रीनगर गांव के ग्रामीण अवैध शराब की बिक्री से परेशान हैं। गुरुवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, ने एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने शराब तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में मंदिर मोहल्ले में काली माता मंदिर के पास महिलाएं भजन-कीर्तन कर रही थीं।

इसी दौरान तेज रफ्तार मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग भारी मात्रा में शराब लेकर जा रहे थे, जो मंदिर के सामने फिसलकर गिर गए।

हादसे के बाद शराब की पेटियां सड़क पर बिखर गईं। मौके पर मौजूद महिलाओं ने गांव के अन्य लोगों को बुलाया। दोनों आरोपी, जो नशे में धुत थे, भागने की कोशिश कर रहे थे। श्रीनगर निवासी गेंदा अहिरवार ने बताया कि शराब तस्कर रोजाना उनके गांव में शराब लाते हैं।

इसके कारण गांव के लोग शराब पीकर आए दिन लड़ाई-झगड़ा करते रहते हैं, जिससे ग्रामवासी काफी परेशान हैं। ग्रामीणों के एसपी कार्यालय पहुंचने की सूचना मिलते ही एसडीओपी राहुल कटरे मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों की शिकायत सुनी और ज्ञापन लेकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पाषाण जिनालय का हुआ शिलान्यास

गंजबासौदा, देशबन्धु। नगर में बनने वाले विशाल पाषाण के जिनालय का मंगल शिलान्यास हुआ। शिलान्यास कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज बंधु, जन प्रतिनिधि के अलावा सर्व समाज सर्व धर्म के अनुयायी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय महावीर विहार में प्रात: 6 बजे से प्रारंभ हुआ जिसमें मुख्य शिला पुण्यार्जक बनने का सौभाग्य अनिल कुमार, अमित कुमार नागरिक बैंक परिवार को प्राप्त हुआ। जिन्होंने सर्व प्रथम बाल ब्रम्हचारी तरुण भैय्या के कुशल निर्देशन में धार्मिक क्रियाओं के साथ गर्भ गृह की भूमि पूजन प्रारंभ की। वहीं सुबह से बड़ी संख्या में पधारे श्रद्धालुओं ने भी भैय्या जी के निर्देशन में अभिषेक शांतिधारा के उपरांत अपने अपने घर से लाई हुई शिला शुद्धि कर अभिमंत्रित की। कार्यक्रम के उपरांत नगर के प्रमुख चौराहे नेहरू चौक पर जैन समाज ने अभय सेना के सहयोग से मिष्ठान वितरण कार्यक्रम आयोजित किया।

दशहरा पर्व पर निकले चल समारोह, महेन्द्र सागर तालाब में माता को दी विदाई

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले में गुरुवार दोपहर 2 बजे के बाद देवी प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया। दशहरा पर्व के अवसर पर शहर की सड़कों पर चल समारोह निकाले गए, जिसके बाद प्रतिमाओं को महेंद्र सागर तालाब स्थित विसर्जन कुंड में विसर्जित किया गया । चल समारोह के दौरान श्रद्धालु धार्मिक गीतों पर नाचते-गाते हुए निकले। बड़ी संख्या में दुर्गा प्रतिमाएं शहर की सड़कों पर भ्रमण करती दिखीं। भक्तों ने मातारानी के भक्ति गीतों पर रंग-गुलाल उड़ाया, जिससे पूरे शहर में उत्साह का माहौल रहा।

बारिश की संभावना के चलते इस बार ज्यादातर लोगों ने जल्दी प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू कर दिया। विसर्जन कुंड पर पहुंचकर भक्तों ने देवी प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। माता रानी को विदा करते समय कई लोगों की आंखें नम हो गईं। प्रशासन ने देवी प्रतिमाओं के सुगम विसर्जन के लिए महेंद्र सागर तालाब स्थित कुंड पर चार क्रेन की व्यवस्था की है।

विसर्जन कुंड और चल समारोह मार्ग पर पुलिस बल तैनात किया गया है। नगर पालिका के कर्मचारी भी विसर्जन कार्य में सहयोग कर रहे हैं।

नगर पालिका सीएमओ ओमपाल सिंह भदोरिया ने बताया कि प्रतिमाओं का विसर्जन देर रात तक जारी रहेगा। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

शाम 4 बजे कलेक्टर विवेक श्रोतिय, एसडीएम संस्कृति लिटोरिया, तहसीलदार सत्येंद्र सिंह गुर्जर और नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार ने अधिकारियों के साथ विसर्जन कुंड का निरीक्षण किया।

सार समाचार

फसल के नुकसान का मिला मुआवजा

दमोह देशबन्धु। प्राकृतिक आपदा से हुई फसल क्षति के लिए प्रभावित कृषकों को राहत राशि का वितरण मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस दौरान दमोह एनआईसी में प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल और जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर सहित किसान बंधुओं ने कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा व सुना। इस दौरान जिले के 1064 किसानों को 51 लाख 30 हजार रूपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से उनके खातों में अंतरित की गई।

इस अवसर पर राज्यमंत्री लखन पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जिले के प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा भावांतर भुगतान योजना को लेकर किसानों मे बहुत उत्साह है आज से पंजीयन प्रांरभ हो रहे है, बाजारों मे सोयाबीन आना प्रारंभ हो गया था अब इस योजना से किसानो को और भी लाभ मिलेगा, आप जो किसान हितैषी काम कर रहे है उसके लिए मुख्यमंत्री जी बहुत-बहुत बधाई देता हॅू। राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव जी ने राहत की राशि चाहे वह मालवांचल में पीला मोजेक या अतिवृष्टि से हो, लगभग पूरे प्रदेश में 653 करोड़ रुपये की राहत राशि किसानों के खाते में हस्तांरित की हैं। मुख्यमंत्री जी ने दशहरा के समय दिवाली मनाने का अवसर दिया उसके लिए उनका बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार। राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा मुख्यमंत्री जी ने दशहरा के समय यह राहत प्रदान कर किसानों को दिवाली मनाने का अवसर दिया है, उसके लिए उनका ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह तीसरी बार है जब दो माह की अवधि में 1000 करोड़ रुपये से अधिक की राहत राशि का वितरण किया गया है, जो सरकार की किसानों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा प्रदेश सरकार ने भावांतर भुगतान योजना जैसी किसान हितैषी योजनाओं को प्रारंभ कर किसानों को लाभान्वित करने की दिशा में अहम पहल की है। कृषक रविदास ने कहा कि भावांतर भुगतान योजना इस कठिन समय में किसानों के लिये वरदान साबित होगी और उन्होने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के प्रति आभार प्रकट किया। कृषक भगवानदास ने कहा कि यह योजना किसानों के लिए बहुत ही क्रांतिकारी कदम है इससे हम किसानों को संबल मिलेगा।

नवागत कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार ने पदभार ग्रहण किया

पन्ना, देशबन्धु। नवागत कलेक्टर ऊषा परमार ने शुक्रवार को सुबह कलेक्टर पन्ना का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर निवर्तमान कलेक्टर सुरेश कुमार सहित पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, डीएफओ गर्वित गंगवार एवं अनुपम शर्मा, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, एसडीएम संजय नागवंशी, तहसीलदार अखिलेश प्रजापति एवं जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र मिश्रा भी उपस्थित रहे। नवागत कलेक्टर श्रीमती परमार द्वारा पदभार ग्रहण करने पर अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत कर शुभकामनाएं दीं।

द्वारका जी की तीर्थ यात्रा ट्रेन कल जाएगी

दमोह देशबन्धु। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनांतर्गत श्री द्वारकाजी की तीर्थ यात्रा रेलगाडी 05 अक्टूबर 2025 को जायेगी और 10 अक्टूबर 2025 को वापस आयेगी। जिला दमोह हेतु 200 सीटें आबंटित की गई हैं। उक्त यात्रा हेतु रेण्डमाईजेशन उपरांत चयनित यात्रियों की सूची जारी कर उन्हें टिकटों का वितरण निकायों के माध्यम से किया जा चुका हैं। इस सबंध में डिप्टी कलेक्टर छोटेगिरी गोस्वामी ने बताया द्वारका की तीर्थ यात्रा हेतु रेलगाड़ी क्रमांक 00131 भारत गौरव ट्रेन का आगमन दमोह रेल्वे स्टेशन पर 5 अक्टूबर 2025 को रात्रि 9:30 बजे होगा तथा 10 मिनिट के हाल्ट उपरांत ट्रेन रात्रि 9:40 बजे प्रस्थान करेगी।

नगर परिषद में अनियमितताओं की जांच करने पहुंची भोपाल से टीम

दमोह/पथरिया देशबन्धु। नगर परिषद में पूर्व में हुई अनियमितताओं की नगरीय प्रशासन विभाग भोपाल में शिकायतकर्ता प्रीतम पटेल द्वारा नगर परिषद द्वारा की गई जिसमें संचालक स्तर पर गठित की गई तीन सदस्य जाँच दल शुकवार को नगर परिषद कार्यालय पहुंचा हालांकि जैसे ही टीम पथरिया पहुंची नगर में चर्चाएं होने लगी और हर कोई सोचने लगा कि आखिर किस कारण भोपाल से टीम परिषद में आई वैसे पिछले कई वर्षों से जो फाइलें गायब रही वह आज जाँच टीम के सामने मिल गई जिसको लेकर काफी चर्चा रही पूर्व में की गई गड़बड़ियों की कार्यालय में बैठकर कुछ फाइलों पर हस्ताक्षर आदि करते हुए भी नजर आए। आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा पथरिया के प्रीतम पटेल की लिखित दस्तावेजी शिकायत पर 29 सितंबर पर 2025 को तीन सदस्य टीम गठित करके 7 दिन में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए थे। दरअसल पथरिया नगर पंचायत में पूर्व अध्यक्षों के दस वर्ष के कार्यकाल में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, विभिन्न निर्माण कार्य, सामग्री खरीदी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के विनियमितकरण में अनिमितताओं तथा गड़बड़ी किए जाने के गंभीर आरोपों की दस्तावेजी शिकायत पूर्व में

भी की जाती रही है तत्कालीन विधायक रामबाई सिंह के द्वारा भी नगर परिषद कार्यालय में बैठकर अनेक कर्मियों के हजारों रुपए वापस भी करवाए गए थे। लेकिन उस दौरान की गई शिकायतों को बाद में दबा दिया गया था। नगर परिषद में अनियमितताओं की जांच हेतु आयुक्त द्वारा गठित तीन सदस्य टीम का अध्यक्ष हिमांशु भट्ट उप संचालक नगरीय प्रशासन को बनाया गया है जबकि अरुणेश पचौरी लेखाधिकारी नगरीय प्रशासन भोपाल एवं जेके जैन सहायक यंत्री नगरीय प्रशासन यांत्रिकी प्रकोष्ठ भोपाल को सदस्य बनाया गया है जांच टीम के द्वारा प्रभारी नगर पालिका अधिकारी रितु पुरोहित को पत्र जारी करके जाँच संबंधी कुछ फाइलें प्राप्त की गई। इस दौरान शिकायतकर्ता प्रीतम पटेल को भी बयान देने के लिए बुलाया गया था लेकिन उन्होंने यह कहते हुए बयान देने से इनकार कर दिया कि उनको जब तक इस संदर्भ में अधिकृत पत्र नहीं दिया जाता तब तक वह बयान नहीं देंगे। इधर जाँच टीम के लंच करने के लिए रेस्ट हाउस पहुँते ही पूर्व अध्यक्ष एवं तत्कालीन लेखापाल व वर्तमान में नगर पालिका रहली व नगर परिषद शाहपुर के प्रभारी सीएमओं बालकिशन पटेल अध्यक्ष के चेंबर में बैठकर कुछ फाइलें देखते हुए नजर आए। इधर शाम को पथरिया से जाँच टीम के वापस लौट जाने व उनके द्वारा कुछ दस्तावेजों को साथ ले जाने की जानकारी सामने आई। वही इस संबंध प्रभारी सीएमओं रितु पुरोहित से संपर्क किया गया तो मोबाइल रिसीव नहीं हुआ।

इनका कहना है

जाँच टीम अध्यक्ष हिमांशु भट्ट का कहना था कि प्राप्त शिकायत पर आयुक्त द्वारा गठित टीम यहां पर दस्तावेज की जांच कर रही है जल्द ही वह अपनी रिपोर्ट आयुक्त महोदय को सौंप देगी।

दुर्गा विसर्जन को जा रही भीड़ को बोलेरो ने रौंदा

इलाज के दौरान 2 की मौत, 15 घायल

पन्ना, देशबन्धु। पवई से लगभग 5 किलोमीटर दूर मोहंद्रा मार्ग पर खम्हरिया मोड पर उस समय अफरा तफरी का माहौल बन गया, जब ग्राम खम्हरिया के लोग दशहरा पर्व पर चल जुलूस लेकर दुर्गा मां का विसर्जन करने तालाब जा रहे थे, तभी पवई मोहन्द्रा मार्ग पर खम्हरिया मोड में गुरूवार शाम लगभग 7 बजे जैसे ही पहुंचे पवई की ओर से तेज रफ्तार बोलेरो M P 54 T 0292 मोहन्द्रा की ओर जा रही थी। बोलेरो ने सीधे टक्कर मार दी। तेज गति होने से पहले मोटरसाइकिल सवारो को कुचला, फिर चल जुलूस में शामिल लगभग 15 लोंगों को कुचल कर घायल कर दिया। घायलों को तत्काल पवई स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को कटनी जबलपुर के लिए रेफर किया गया। जानकारी मिलते ही पवई विधायक प्रहलाद लोधी, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, जनपद अध्यक्ष पवई मोहिनी आनंद मिश्रा स्वास्थ्य केंद्र पवई पहुंचे एवं विधायक ने कटनी कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक कटनी को इसकी जानकारी दी और घायलों को इलाज के लिए हर संभव मदद करने की बात कही। ड्राइवर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और जांच शुरू कर दी है।

केशव प्रसाद उम्र 61 वर्ष, राहुल पटेल उम्र 16 वर्ष, रूपलाल उम्र 40 वर्ष, राजपाल उम्र 32 वर्ष, बलिराम उम्र 19 वर्ष, कौशलेंद्र सिंह उम्र 29 वर्ष, अंतु आदिवासी उम्र 45 वर्ष, सुशील पाल 15 वर्ष, पप्पू राजा 42 वर्ष, दद्दू राजा उम्र 38 वर्ष, पुरुषोत्तम उम्र 30 वर्ष, शिवम उम्र 10 वर्ष, पुष्पेंद्र सिंह 54 वर्ष, कौशलेंद्र उम्र 28 वर्ष सभी ग्राम खम्हरिया के निवासी बताए जा रहे है कटनी जिला चिकित्सालय में पुरषोत्तम पटेल और राकेश पटेल की इलाज के दौरान मौत हो गई।

ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

पन्ना जिले के पवई थाना क्षेत्र अंतर्गत खम्हरिया मोड़ पर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए भीषण हादसे के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार की सुबह पवई-मोहन्द्रा मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। यह चक्काजाम लगभग पांच घंटे तक रहा। जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। प्रदर्शन कारी घटना की उच्चस्तरीय जांच, मृतको व घायलों के परिजनों को मुआवजा दिलाए जाने की मांग पर अड़े रहे। मौके पर शाहनगर एस डी एम रामहेत चौधरी, तहसीलदार पवई त्रिलोक सिंह, एस डी ओ पी भावना सिंह दांगी, थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदी भारी पुलिस बल के साथ पहुँचे। जिन्होंने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की। करीब पांच घंटे तक मौके पर स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। अधिकारियों के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम खोला और मामले को शांत करवाया गया मृतकों को कटनी जिला चिकित्सालय में पी एम होने के बाद ग्रह ग्राम लाया गया जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया।

बेलखेड़ी में युवक की हत्या, पुलिस ने तीनों आरोपी चंद घंटों में दबोचे

दमोह देशबन्धु। पटेरा.थाना पटेरा क्षेत्र के ग्राम बेलखेड़ी में बुधवार की रात एक युवक की हत्या से सनसनी फैल गई.लोकेसिंग लोधी के खेत की टपरिया पर पार्टी के दौरान हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जिसमें राजू उर्फअमरसिंह आदिवासी की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटना के महज चंद घंटों के भीतर ही तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पार्टी में हुआ विवाद, पहुंचा हत्या तक

जानकारी के अनुसार 2 अक्टूबर की रात अमृत आदिवासी ने अपने साथियों के साथ खेत की टपरिया पर पार्टी रखी थी. इसमें राजू उर्फ अमरसिंह आदिवासी, मानसिंह उर्फ भानसिंह आदिवासी सहित अन्य लोग मौजूद थे.पार्टी के दौरान अमृत और राजू के बीच कहासुनी हुई जो बढ़ते-बढ़ते गाली-गलौज और जातिगत अपमान तक पहुंच गई.इसी बीच अमृत आदिवासी, मानसिंह लोधी व उनके साथियों ने मिलकर अमरसिंह पर लाठियों से हमला कर

दिया. गंभीर चोटों से अमरसिंह की मौके पर ही मौत हो गई।

चंद घंटों में आरोपी गिरफ्तार

घटना की खबर मिलते ही थाना पटेरा पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज किया.पुलिस ने अपराध क्रमांक 267/25 धारा 296, 103(1), 3(5) भादंवि तथा एससी/एसटी एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी.एसडीओपी प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पटेरा सरोज ठाकुर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने अथक प्रयास कर सभी तीनों आरोपियों को चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया. शनिवार को पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। इस सफल कार्रवाई में एसडीओपी हटा प्रशांत सिंह सुमन, थाना प्रभारी सरोज ठाकुर, उप निरीक्षक संतोष सिंह, उप निरीक्षक मेहताब सिंह , सउनि संजय सिंह,सउनि दिलीप सिंह,स उ नि बलदेव सिंह, प्रधान आरक्षक 558 पूरनलाल, आरक्षक 524 गब्बर सिंह, आर 420 नितेश, 512 बालमुकुंद,788 ब्रजेश सहित थाना पटेरा स्टाफ व साइबर सेल दमोह की विशेष भूमिका रही।

थाने में किया गया शस्त्र पूजन

दमोह/तेन्दूखेड़ा देशबन्धु। मंत्री प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह की उपस्थिति में इस दौरान थाना प्रभारी नीतेश जैन, नपा अध्यक्ष सुरेश जैन, सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह, मंडल अध्यक्ष संतराम पॉल, डॉक्टर परम सिंह, गोविंद यादव, राजू रसिया, डॉक्टर गिरन केवट सहित अन्य बीजेपीके वरिष्ठ कार्यकर्ता और पुलिस बल बजरंग दल के कार्यकर्ता मौजूद है । इस संबंध में थाना प्रभारी नीतेश जैन ने बताया कि दशहरा पर्व पर हर वर्ष पुलिस विभाग द्वारा शास्त्र पूजा का आयोजन होता है इसलिए थाना में शास्त्र पूजन भव्य

रूप से मानने मंत्री धर्मेंद्र सिंह के अनुज सत्येंद्र सिंह जनप्रतिनिधियों और बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में सस्ता पूजा का आयोजन किया गया।

राज्यपाल के आगमन की तैयारियों का मंत्री लोधी ने लिया जायजा

दमोह देशबन्धु। जिले की जबेरा विधानसभा अंतर्गत जनपद जबेरा के ग्राम चौरई (सिंग्रामपुर) में महान् वीरांगना रानी दुर्गावती की 502 वीं जन्म जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगू भाई पटेल 116 लाख रुपए की लागत से बने आदिवासी समाज के आराध्य बड़ा देव मंदिर परिसर का लोकार्पण करेंगे। जिसकी तैयारियां जोरों से चल रही है तैयारियों का जायजा लेने स्थानीय विधायक मध्यप्रदेश शासन में मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी अधिकारियों के साथ पहुंचे।मंत्री लोधी ने कहा कि मैं बड़ा सौभाग्य हूं कि महान वीर वीरांगनाओं ने मेरी जबेरा विधानसभा में राजधानी बनाई और उन सभी को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए मुझे बहुत से अवसर प्राप्त हुए हैं जैसे विगत वर्षो में महिमा राष्ट्रपति जी, कैबिनेट बैठक, मुख्यमंत्री जी का आगमन जैसे विभिन्न बड़े कार्य किये है और अब महा महामहिम राज्यपाल जी भी विधानसभा के एक छोटे से ग्राम पधार रहे हैं। इस अवसर पर जिला कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर जी, एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी जी, जिला सीईओ फुलपगारे,एडिशनल एसपी सुजीत भदौरिया, तेंदूखेड़ा एसडीएम सौरव गंधर्व एसडीओपी देवी सींग, तहसीलदार सोनम पांडे विवेक व्यास,जनपद सीईओ रामेश्वर पटेल, मनीष बागरी,जबेरा थाना प्रभारी विकास चौहान सहित प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही।

राज्यमंत्री लोधी ने सुनी समस्याएं, दिए अहम दिशा-निर्देश

दमोह देशबन्धु। प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कार्यालय नोहटा में जबेरा विधानसभा के क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुना और निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राज्यमंत्री लोधी ने कहा आप सभी की जो भी मांगे मेरे समक्ष रखी गई हैं उन्हें गंभीरता से लिया गया है। मैं स्वयं इन मांगों की पूर्ति के लिए लगातार प्रयासरत हूं। आने वाले समय में सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाएगा।

सदियों पुरानी परंपरा का हुआ निर्वहन

पुजारी ने पन्ना नरेश को दिव्य तलवार, पान व वीरा भेंट किया

पन्ना, देशबन्धु। पांच पद्मावती पुरी धाम पन्ना के प्राचीन खेजड़ा मंदिर में सदियों से चली आ रही परम्परा का निर्वहन करते हुए आज पन्ना नरेश छत्रसाल द्वितीय को मंदिर के पुजारी ने दिव्य तलवार, पान व वीरा भेंट किया। विजयादशमी पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस समारोह में पन्ना राजघराने के सदस्य व छतरपुर से भी महाराजा छत्रसाल के वंशज सत्येन्द्र सिंह बुंदेला के साथ बुदेला समाज और धामी समाज के लोगों सहित के साथ दुनिया भर से आए उनके अनुयायी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से धर्मोपदेशक पंडित खेमराज व श्याम बिहारी दुबे,

रूप राज शर्मा सहित श्री 108 प्राणनाथ मंदिर टस्ट के पदाधिकारी व प्रबंधक भी शामिल हुए। मालूम हो कि आज से लगभग 4 सौ वर्ष पूर्व उस समय महामति श्री प्राणनाथ द्वारा छत्रसाल को दिव्य तलवार व वीरा भेंट कर उन्हें विजय आशीर्वाद दिया था और उन्होंने इसी आर्शीवाद और दिव्य तलवार से ऐतिहासिक 52 लडाईयां मुगलों के खिलाफ जीतीं थीं। उसी परम्परा के निर्वहन में प्रतिवर्ष दशहरा के दिन छत्रसाल के वंशजों को तलवार व वीरा भेंट किया जाता है। महामति श्री प्राणनाथ ने बुन्देलखण्ड की रक्षा के लिए महराजा छत्रसाल को वरदानी तलवार सौंपी थी तथा वीरा उठाकर संकल्प करवाया था। जिससे महाराजा छत्रसाल पूरे बुन्देलखण्ड को जीत सके थे और अपना साम्राज्य स्थापित कर पन्ना को राजधानी बनाया था। पन्ना में उसी समय से इस परम्परा का निर्वहन किया जा रहा है।

वैष्णव माता नशा मुक्ति केन्द्र ने रैली निकालकर दिया नशा मुक्ति का संदेश

पन्ना, देशबन्धु। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग संचालनालय भोपाल के आदेशानुसार व उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशानुसार वैष्णव माता नशा मुक्ति केन्द्र पन्ना में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 156वीं जयंती पर मद्य निषेध सप्ताह दिनांक 02 अक्टूबर से 08 अक्टूबर 2025 तक मनाया जाना है। जिसके तहत चरणबद्ध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम दिवस छात्र-छात्राओं द्वारा नशा मुक्ति के लिए जनजागृति हेतु एक रैली निकाली गई, जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा हांथों में बैनर पकडकर लोगों को बीडी, सिगरेट, तंबाकू, शराब सहित अन्य प्रकार के नशे से दूरी बनाने का संदेश दिया गया। नशा नाश की जड है, जो कि सबसे पहले उस व्यक्ति के लिए फिर परिवार, समाज व देश के लिए घातक है। नशा करने वाले व्यक्ति के साथ उसके परिवार का विकास रूक जाता है। इस दौरान नशे के दुष्परिणामों से संबधित विभिन्न चलचित्र प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्र-छात्राओं को

दिखाये गये। इस दौरान संस्था की ओर से संस्था प्रभारी अविनाश पाण्डेय, सहायक प्राध्यापकगण राजकुमार सेन, मनोज गौर, अतुल पाण्डेय, अमित पाण्डेय, बृजकिशोर त्रिपाठी, भरत सिंह सिंगरौल, नरेन्द्र अहिरवार, महेन्द्र सिंह, संजय सिंह, अभिषेक, पंकज पाण्डेय, भूपेन्द्र चौबे, मनोज जडिया, शिवम पाठक, गरिमा जैन, श्रद्धा सिंह, श्रीमती नितिका डनायक, शिभा सिंह सोलंकी, साधना साहू,, नेहा सेन, सरिता अग्रवाल, मानसी ताम्रकार, रिचा तिवारी, गजेन्द्र, महेश, सविता, रेखा, उपस्थित रहीं।

फोटो-1

बुंदेली पारंपरिक भजन संध्या कार्यक्रम संपन्न

दमोह/पथरिया देशबन्धु। संस्कृति संचालनालय मध्यप्रदेश के सहयोग से संस्था नेहरू युवा नव जागृति नव युवक मंडल समिति बांसा कलां द्वारा एक दिवसीय सांस्कृतिक भजन संध्या कार्यक्रम का वार्ड नं.09 गढ़ाकोटा रोड चौधरी वेयर हाउस के सामने बांसा कलां में किया गया। शुभारंभ मां दुर्गा आरती पूजन के साथ किया गया। संस्था अध्यक्ष घनश्याम पटेल ने कहा कि आज हमारी संस्था क्षेत्र के युवा कलाकारों को मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल के छात्र-छात्राओं से लेकर ग्रामीण कलाकारों ने अपनी विधाओं का शानदार प्रदर्शन किया। विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों की सांस्कृतिक मंडलियों के लिए मंच बनाया गया है, कलाकारों ने बुंदेली पारंपरिक विधाओं जैसे तमूरा भजन, लोकगीत, राई नृत्य, सैरा नृत्य आदि की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रमेश पटेल, सरपंच बासाकलां यतेन्द्र सिंह बांकड़ा, सरपंच कृष्णा महेश कुर्मी, कोमल पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य आयोजन समिति से विश्वजीत ठाकुर, हाकम अहिरवार, सेवक प्रजापति, जीवन लाल पटेल, छिमाधर पटेल, लक्ष्मण पटेल, अंकित पटेल, हेमलता पटेल, अंकिता पटेल, पूजा पटेल, पारो, कंचन, गोमती एवं समिति के अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

अंहकार से अधिक खतरनाक हीन भावना होती है : पटटाचार्यश्री

दमोह/पथरिया देशबन्धु। अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर नगर में सर्वधर्म समभाव सभा का सामूहिक आयोजन शासकीय कन्या शाला प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी ससंध 25 मुनिराज के सानिध्य ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जीना सीखो जीने देने के साथ इस सिद्धांत पर भगवान महावीर स्वामी, रामचंद्र जी गांधी जी समेत अन्य महापुरुष चलें है। महावीर स्वामी ने जियो व जीने दो। गांधी जी ने मनसा वाचा कर्मणा के सिद्धांत पर बल दिया। जैनाचार्य भी विरुद्धसागर जी ने कहा कि-सनातन वीतराग श्रमण संस्कृति, जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान् वर्तमान महावीर स्वामी ने 2600 वर्ष पूर्व भारत भूमि पर एक दिव्य-संदेश प्रदान किया, जो जन-जन के जीवन का अभिन्न अंग बन गया। वह सूत्र है जियो और जीने

दो। इस धरा पर सर्व-श्रेष्ठ कोई धर्म है, तुम स्वयं अच्छे एजे जियो और दुनिया के सभी जीवों को शान्ति से जीने दो।

पटटाचार्य ने कहा कि राम वन जाने के कारण भगवान राम बन गये। राम वन इसीलिए गये कि अयोध्या में लोग हमारे भाई भरत को राजा समझे यह रामचंदजी की सोच थी। पटटाचार्यश्री विशुद्ध सागर ने छात्राओ शिक्षको गणमान्य नागरिक को संबोधित करते हुए कहा कि संसार में ऐसा कार्य नहीं है जो व्यक्ति न कर सके जो अभ्यास व आस्था सब सम्भव है इसमें अभ्यास आस्था का विनाश नहीं होना चाहिए, पटटाचार्य ने कहा कि अभिभावकों मित्रों को अपने पुत्रों को राम का नाम के पहले पुन: जन्म होता है यह सिखाना चाहिए। जो व्यक्ति करेगा पुन: जन्म वैसा मिलेगा।

पटटाचार्य ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में यह तीन बाते महत्वपूर्ण है इनको संभाल लिया तो जिदंगी संभल गई यह बातें हैं खाना ,पीना, सोचना ,यह जीवन जीने के महत्वपूर्ण है। चित्र अनावरण राजेन्द्र गुरु, संतोष कपिल दुबे, नगर परिषद अध्यक्ष सुंदर लाल विश्वकर्मा,लक्ष्मण सिंह, श्रीफल अर्पित करने में गोपालकृष्ण सुरेखा न्यायधीश, एसडीएम पथरिया निकेत चौरसिया, सीएमओं रितु पुरोहित सतीश मेडिकल, कन्हैया विश्वकर्मा, नित्यानंद बांझल, अवधेश बडगैया,डां सुरेंद्र चौरसिया, संजय कुबेर नप के समस्त पार्षदगण महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल छात्राऐ शिक्षकगण,आदि गणमान्य उज्जैन ,सागर, रहली, गढ़ाकोटा दमोह से पधारे श्रद्धालु उपस्थित थे।

दशहरा महोत्सवः 51 फुट के रावण के पुतले का दहन

सागर, देशबन्धु। नगर निगम द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी असत्य पर सत्य की विजय के पर्व दशहरा महोत्सव का आयोजन पीटीसी ग्राउंड पर किया गया जिसमें 51 फुट के रावण के पुतले का दहन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, विशिष्ट अतिथि सांसद लता वानखेड़े, विधायक शैलेंद्र जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी, निगमाध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। दशहरा महोत्सव में पार्षद, प्रशासनिक अधिकारियों एवं नागरिकों की उपस्थिति में पीटीसी ग्राउंड पर शाम 6 बजे से राधे-राधे संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, उसके बाद सभी अतिथियों द्वारा भगवान श्री राम एवं लक्ष्मण का पूजन किया। श्री राम ने वाण चलाकर भव्य आतिशबाजी के साथ रावण के पुतले का दहन किया।

रावण दहन के बाद 15 मिनट तक हुई आतिशबाजी

रावण के पुतले का जब भगवान श्री राम ने वाण चलाकर दहन किया तो विशाल जनसमूह ने श्री राम की जय के नारे से पीटीसी ग्राउंड गूंज उठा। रावण के पुतले के दहन के बाद लगभग 15 मिनट तक आतिशबाजी चलती रहीं। कार्यक्रम के अंत में निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने सफाई मित्रों के साथ पीटीसी ग्राउंड पर सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया, कार्यक्रम स्थल पर पालीथीन का उपयोग न करने के लिये जगह-जगह फ्लेक्स लगाये गये थे।

कंधों पर सवार होकर विसर्जन के लिए निकली कांधे वाली काली

चल माई, चल माई के जयकारों से गूंजा शहर

सागर, देशबन्धु। शहर के पंडालों में विराजमान मां भगवती की प्रतिमाओं का विसर्जन ढोल नगाड़ों के बीच भक्तों ने किया। अलग-अलग स्थानों से दुर्गा विसर्जन चल समारोह निकाले गये। तीन बत्ती से राधा टॉकीज तक का इलाका लोगों से खचाखच भरा रहा। मां दुर्गा की झांकियां निकल रही थी। आकर्षक साज-सज्जा, आस्था का सैलाब उमड़ा हुआ था। सड़क के दोनों ओर किनारों पर हजारों की संख्या में लोग बैठे हुये थे। शहर की सबसे प्रसिद्ध पुरव्याऊ की कांधे वाली काली का चल समारोह शुरू हुआ। पुरव्याऊ से माता को कंधों पर बैठाकर भक्त विसर्जन के लिये लेकर निकले। इसके बाद हर ओर चल माई-चल माई के जयघोष ही सुनाई दिये। लोगों ने पुष्पवर्षा कर मां को विदाई दी। आगे मशाल चल रही थी। सैकड़ों की संख्या में युवा सड़क पर दौड़ लगा रहे थे। वहीं पीछे श्रद्धालुओं के कंधों पर सवार मां दुर्गा की प्रतिमा चल रही थी। इस दृश्य को निहारने के लिये चल समारोह मार्ग पर हजारों लोग पहुंचे। माता का दिव्य और अलौकिक दृश्य हर कोई अपने मोबाइल में कैद कर रहा था। देर रात करीब 2.30 बजे तक चले चल समारोह के बाद चकराघाट पर माता का विसर्जन किया गया। पुरव्याऊ की माता का चल समारोह देर रात तीनबत्ती तिराहे पर पहुंचा। जलती हुई मशाल और सड़क पर लोगों को दौड़ते देख हर तरफ चल माई, चल माई के जयकारे लगने लगे। जैसे ही माता तिराहे पर पहुंची तो भक्तों ने फूलों की बरसात की। वहीं जमकर आतिशबाजी हुई। इस दौरान कटरा बाजार मार्ग पर स्वागत टेंट लगाये गये। जहां पर डीजे की धुन पर युवा जमकर झूमे। कांधे वाली काली वर्ष 1905 से सागर में स्थापित की जा रही हैं। कोरोना काल में भी यह परंपरा नहीं टूटी। माता का वैभव और एक झलक पाने के लिये पूरा शहर उमड़ पड़ा।

सार-समाचार

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान में किया जागरूक

सागर, देशबन्धु। सिकल सेल एनीमिया एक गंभीर बीमारी है और जागरूकता से इसका बचाव आसानी से किया जा सकता है शासन के निर्देश अनुसार जिला आयुष अधिकारी डॉ. जोगेंद्र सिंह ठाकुर निर्जला आयुष चिकित्सालय आयुष विंग और जिले में संचालित समस्त 59 आयुष संस्थाओं के द्वारा ग्राम सरपंच और सचिव तथा ग्रामीण जनों की उपस्थिति में सिकल सेल एनीमिया बीमारी के लक्षण बचाव उपचार निदान एवं प्रशिक्षण के संबंध में विस्तार से लोगों को जानकारी देते हुये जागरूक किया और जिले के संस्था प्रभारीयों द्वारा प्रचार प्रसार के माध्यम से 2000 से अधिक आम ग्रामीण जनों को जागरूक किया गया।

सब्जी मंडी में मनाई गांधी जयंती

सागर, देशबन्धु। पूर्व मंत्री सुरेंद्र चौधरी एवं अकबर राइनसब्जी विक्रेता संघ की अगवाई में महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर सब्जी मंडी सागर में स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर माल्यार्पण किया तथा मंडी में लड्डुओं का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज के दिन एक नहीं दो-दो महापुरुषों की जयंती है एक ओर बापू गांधी की जयंती है तो दूसरी तरफ लाल बहादुर शास्त्री पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती है इनके योगदानों को बुलाया नहीं जा सकेगा, हम सब मिलकर उनके बतायें रास्ते पर चलने का संकल्प लेते हैं।

नपा मकरोनिया को जलकर का बकाया 12 करोड़ 13 लाख रुपये जमा करने के लिये नोटिस जारी

- 6 अक्टूबर तक बकाया राशि जमा न करने पर जलप्रदाय बंद किया जायेगा

सागर, देशबन्धु। निगमायुक्त राजकुमार खत्री द्वारा वसूली की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी वसूली की समीक्षा के दौरान निगमायुक्त ने मकरोनिया नपा पर माह सितम्बर 2025 तक जलकर राशि 12 करोड़ 13 लाख 18 हजार 726 रुपये बकाया होने के कारण अंतिम नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। जलप्रदाय शाखा द्वारा जारी किये गये नोटिस में लेख किया गया है कि 6 अक्टूबर तक बकाया जलकर राशि का भुगतान अनिवार्य रूप से नगर निगम को किया जावे अन्यथा की दशा में 7 अक्टूबर से जलप्रदाय बंद कर दिया जावेगा। निगमायुक्त ने बताया गया कि पेयजल की सप्लाई में प्रति माह लगभग राशि 1.5 करोड़ रुपये का व्यय करना पड़ रहा है। मकरोनिया नगर पालिका को 1 अप्रैल 2024 से बल्क कनेक्शन के द्वारा जलप्रदाय किया जा रहा है जिसकी राशि जमा नहीं की जा रही है।

बगरोही हत्या कांड के 5 आरोपियों को भेजा जेल, 7 आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही पुलिस

शाहगढ़, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के बगरोही गांव में पारिवारिक जमीनी विवाद को लेकर बीते सोमवार शाम को हुई किसान की हत्या के मामले में शाहगढ़ पुलिस ने शुक्रवार को पांच आरोपियों को जेल भेज दिया है। इस मामले में पुलिस द्वारा दो आरोपियों से पूछताछ की जा रही थी। वही आरोपियों से कुल्हाड़ी और लाठी को जब्त किया। पीड़ित पक्ष ने इस मामले में नामजद 11 लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर पकड़े गये पांच आरोपियों का सामुदायिक अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया है और फिर उन्हें कोर्ट में पेश करके बंडा जेल भेज दिया है। वहीं पुलिस इस मामले में फरार चल रहें छह आरोपियों की तलाश में लगातार जुटी है। शाहगढ़ के गांव बगरोही निवासी परम लाल यादव में किसानी करते थे। 29 सितंबर की शाम को खेत से चारा लेकर अपने घर आ रहा था तभी अचानक आरोपियों ने हमला कर बुरी तरह से मारपीट कर अधमरा छोड़ कर भाग गये, शाहगढ़ अस्पताल से जिला अस्पताल रेफर किया गया लेकिन बीला के परम लाल की मौत हो गई थी। इस मामले में 29 सितंबर को उनके बेटा दीप पाल यादव ने शाहगढ़ थाने में 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इसी मामले में नामजद होने के कारण सोवत यादव, हल्कन यादव, अर्जुन यादव, विनोद यादव और मुन्ना यादव को शुक्रवार को जेल भेजा गया है।

घटना के दिन ही गिरफ्तारी को लेकर किया था चक्काजाम

29 सितंबर की शाम को जब परम लाल की हत्या हुई तो परिजन सभी शव को हाइवे पर रखकर आवागमन बंद कर हत्या में शामिल सभी 11 आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। एसडीओपी प्रदीप बाल्मिकी के आश्वासन पर आवागमन सुचारू रूप से चालू हुआ और बगरोही गांव में मंगलवार को दाह संस्कार किया गया। थाना प्रभारी संदीप खरे ने बताया कि शीघ्र ही शेष छह आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जायेगा। गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी शाहगढ उपनिरी संदीप खरे, मसकूद अली, अरविंद सिंह ठाकुर, सतेन्द्र सिंह गुर्जर, लोकविजय सिंह, राजेश खरे, रामलाल, हरिराम, खूबसिंह, राजेन्द्र कुमार, संतोष कुमार, दिनेश साहू, सुरेद्र लोधी, लखन पटैल, दुर्गेश पटेल, अभिषेक, बॉबी, अरविंद यादव, उमाशंकर, नन्हेलाल, मनीषा, सौरभ आदि ने मुख्य भूमिका निभाई।

अवैध संचालित वाहनों पर कार्रवाई, 3 वाहनों से साढ़े 6 हजार जुर्माना वसूला

सागर, देशबन्धु। शुक्रवार को बण्डा एवं भोपाल मार्ग पर 25 वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान 3 मालयान वाहनों में इन्डीकेटर खराब पाये गये, ओव्हरलोड, हैड लाईट बंद पाई गई, टायर रिमोल्ड पाये गये, वाहन से संबंधित दस्तावेज मौके पर नहीं पाये गये, बिना एचएसआरपी नम्बर प्लेट के चलाते हुये पाये जाने पर मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत चालानी कार्यवाही करते हुये 6500 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। इसी प्रकार 2 स्कूल बसें बिना परमिट एवं बिना फिटनेस के संचालित पाये जाने पर उन्हें जप्त कर कार्यालय परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया।

गोपालपुरा विश्रामगृह के परिसर में किया पौधरोपण

गौरझामर, देशबन्धु। गौरझामर वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गोपालपुरा विश्राम गृह परिसर में नमो वन सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि विधायक बृजबिहारी पटेरिया ने विश्राम गृह परिसर में साथियों सहित पौधारोपण पश्चात शस्त्र पूजन किया। कार्यक्रम में विधायक पटेरिया ने कहा कि भगवानों ने भी प्रकृति की वंदना की है तो हमें भी इस आशय को समझना होगा और अधिक से अधिक पौधों को रोपित करे और प्रकृति प्रदत्त वनो को कटाई एवं नुकसान से बचाये। वन है तो कल है। उपवनमंडल अधिकारी डॉ. रेखा पटेल ने वनों की उपयोगिता मानव जीवन को नई दिशा एवं वृक्षारोपण अधिक से अधिक करने की अपील। रेंजर दीपांकर सिंह ने कहा हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए एवं प्रकृति का संतुलन बनाये रखने के लिये वनों की सुरक्षा एवं वनों को नुकसान से बचाना चाहिये। कार्यक्रम के दौरान परिसर में 1000 वृक्ष रोपित किये। कार्यक्रम के दौरान एसडीएम मुनब्बर खान, कैलाश राजपूत एवं वन विभाग से साजिया तरन्नु, गोपाल राजपूत, ब्रजनरायण तिवारी, नीतेश अहिरवार, खडग सिंह लोधी, वंदना पठवार, सूरज जाटव आदि उपस्थित रहे।

भावांतर भुगतान योजना के संबंध में बैठक संपन्न

सागर, देशबन्धु। मंडी कार्यालय के सभाकक्ष में एसडीएम एवं भारसाधक अधिकारी मंडी समिति सागर के द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधि, किसान संगठन के पदाधिकारी एवं व्यापारियों की बैठक भावांतर भुगतान योजना के संबंध मे आयोजित की गई जिसमें स्थानीय पदाधिकारी एवं व्यापारीग एवं कृषक किसान संगठन के पदाधिकारी, मण्डी सचिव एवं संबंधित प्रभारी कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में निर्देशानुसार सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना संबंधी जानकारी दी गई एवं प्रचार प्रसार किया गया।

रहली पुलिस ने पकड़ा शातिर बाइक चोर, जेल के पीछे घेराबंदी कर गिरफ्तार किया

सागर, देशबन्धु। रहली पुलिस ने एक शातिर बाइक चोर को गिरफ्तार कर दो बाइक बरामद की हैं। आरोपी को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है, जिसमें उसके अन्य अपराधों के बारे में भी सुराग मिलने की संभावना है। थाना प्रभारी ने बताया कि 30 सितंबर को ग्राम सोनपुर निवासी गौरव पचौरी ने बाइक चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। 25 सितंबर को वह अपनी बाइक क्रमांक एमपी 15 एमएल 2708 शाम 5 बजे घर के बाहर खड़ी कर घर चला गया था। करीब दो घंटे बाद 7 बजे देखा तो बाइक वहां से गायब थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मोहार तिराहे के पास एक व्यक्ति संदिग्ध वाहन लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने चांदपुर रोड स्थित जेल के पीछे घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मोहन उर्फ हल्ले आदिवासी पिता दामोदर निवासी ग्राम खमरिया थाना केसली बताया। थाने लाकर जब उससे गहन पूछताछ की गई, तो उसने 25 सितंबर को ग्राम सोनपुर से बाइक चोरी करना स्वीकार किया। इसके अलावा उसने ग्राम कोटीखोर से भी एक और बाइक एमपी 04 क्यूआर 0954 चोरी करने की बात कबूली। चोर ने बताया कि इस बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया था, इसलिये उसने उसे सोनपुर में झाड़ियों में छुपा दिया था। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर दोनों बाइक बरामद कर ली हैं। रहली पुलिस आरोपी से अन्य बाइक चोरी के मामलों को लेकर भी पूछताछ कर रही है। यह भी आशंका है कि आरोपी किसी संगठित चोर गिरोह से जुड़ा हो सकता है। जल्द ही पुलिस और खुलासे कर सकती है।

विद्यालयों में नियमित योग गतिविधियां अनिवार्यः कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। वर्तमान समय में डिजिटल संसाधनों के प्रचलन के कारण विद्यार्थियों की खेलकूद एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में रुचि में कमी आई है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुये, शासन द्वारा निर्धारित शैक्षणिक कैलेण्डर में शामिल योग अभ्यास के कालखण्ड का पालन करते हुये अब प्रत्येक विद्यालय में प्रतिदिन प्रार्थना सभा के दौरान 10 से 15 मिनट का योग अभ्यास अनिवार्य किया जायेगा। कलेक्टर संदीप जीआर द्वारा जारी आदेशानुसार समस्त संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे विद्यालय में नियमित रूप से योग गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित करें। इसके साथ ही जिला स्तर के अधिकारी समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण कर इन गतिविधियों की मॉनिटरिंग भी करेंगे।

महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्वीकृति व स्थल चयन के लिये पूर्व मंत्री का आभारः महापौर

सागर, देशबन्धु। सागर सिटी स्टेडियम परिसर में महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा स्थापना के प्रस्ताव व इस हेतु 1 करोड़ की राशि स्वीकृत करने के लिये महापौर संगीता तिवारी ने पूर्व मंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह का आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में नगर निगम परिषद ने प्रतिमा की स्थापना हेतु सिटी स्टेडियम परिसर का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया है। महापौर संगीता तिवारी ने कहा है कि पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने विभागीय मंत्री के रूप में लगभग दो वर्ष पूर्व सागर नगर में देश के गौरव महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा की स्थापना के लिये 1 करोड़ की राशि स्वीकृत कर दी थी जो तभी आवंटित हो कर निगम के पास आ गई थी। तत्पश्चात पूर्व मंत्री ने ही प्रतिमा स्थापना के लिये सिटी स्टेडियम का नामकरण महाराणा प्रताप के नाम करते हुये परिसर में ही उनकी भव्य प्रतिमा की स्थापना का प्रस्ताव नगर निगम को दिया था। उनके प्रस्ताव को ही स्वीकार किया जाकर निगम परिषद ने उक्त निर्णय सर्वसम्मति से पारित किया है। महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा की स्थापना के लिये पूर्व मंत्री श्री सिंह का योगदान चिरस्मरणीय रहेगा। सागर नगर की समस्त जनता की ओर से प्रथम नागरिक के रूप में मैं इस एतिहासिक कार्य के लिये उनका धन्यवाद व आभार व्यक्त करती हूं।

विजयादशमी पर दुर्गा प्रतिमाओं का चल समारोह निकालकर मोतीचूर नदी में किया विसर्जन

बीना, देशबन्धु। विजयादशमी पर्व पर शहर में लोगों में भक्ति और उत्साह देखा गया। मां दुर्गा की लगभग 120 प्रतिमाओं का चल समारोह निकाला गया, जिसके बाद देर रात तक इन प्रतिमाओं का मोतीचूर नदी घाट स्थित बड़े मंदिर विसर्जन स्थल पर विसर्जन किया गया। नगर की विभिन्न दुर्गा समितियों की शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। पूरे मार्ग पर अद्भुत धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल देखने को मिला। भक्तगण माता रानी के जयकारे लगाते हुए उत्साहपूर्वक इस आयोजन का हिस्सा बने। शोभायात्रा में व्यायाम शालाओं के अखाड़ों ने भी अपने रोमांचक प्रदर्शनों से वातावरण को और भी अधिक आकर्षक बना दिया। विसर्जन स्थल पर नगर पालिका ने विशेष साज सज्जा और विद्युत सज्जा की। सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये कटरा मंदिर क्षेत्र से लेकर घाट तक बैरिकेडिंग की गई थी और यातायात को नियंत्रित किया गया। नई बस्ती, गांधी तिराहा, बड़ी बजरिया, स्टेशन रोड जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस बल मुस्तैदी से तैनात रहा। सुरक्षा और व्यवस्था के तहत विसर्जन स्थल पर केवल गोताखोरों को ही प्रवेश दिया गया। भक्तों ने प्रतिमाओं का पूजन वाहनों पर ही किया, जिसके बाद क्रेन और गोताखोरों की मदद से प्रतिमाओं को सुरक्षित विसर्जित किया गया। नदी के दूसरी ओर एक विशेष दल विसर्जन प्रक्रिया को सम्मानपूर्वक पूरा करने में सहयोग कर रहा था। देर रात तक चले इस भव्य आयोजन में नगर पालिका अधिकारी, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अमला घाट पर मौजूद रहा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इस विसर्जन समारोह को यादगार बना दिया।

दशहरा पर्व पर सागर, राहतगढ़ व जैसीनगर में हुआ रावण दहन, कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री

अधर्म व असत्य कुछ समय के लिए ताकतवर हो सकते हैं, पर धर्म हमेशा ताकतवर होता हैः राजपूत

सागर, देशबन्धु। धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो प्राणियों में सद्भावना हो विश्व का कल्याण हो के जय घोष के साथ मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सागर के पीटीसी ग्राउंड, राहतगढ़ व जैसीनगर में रावण दहन किया। इस अवसर पर मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि रावण बुराई का प्रतीक है जिसे हम हर वर्ष जलाकर यह संदेश देते हैं कि बुराई चाहे जितनी भी ताकतवर हो लेकिन अच्छाई से नहीं जीत सकती। रावण को हर वर्ष जलाने का एक संदेश यह भी है कि हमें अपने अंदर के बुराई रूपी रावण को जलाना है और राम जी के आदर्श पर चलकर एक अच्छे समाज की रचना करनी है। राष्ट्रीय निर्माण में योगदान देना है। उन्होंने कहा कि मेरे लिये सुरखी विधानसभा अयोध्या से कम नहीं है आप सभी राम हो आप सभी के आशीर्वाद से सुरखी विधानसभा के विकास का रथ इसी तरह चलता रहेगा। भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी, सांसद लता वानखेड़े, विधायक शैलेंद्र जैन, निगमाध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने संबोधित किया। विजयदशमी के पावन पर्व पर गुरुवार को सागर, राहतगढ़ और जैसीनगर में आयोजित सांस्कृतिक रावण दहन कार्यक्रमों में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने उत्सव की रौनक को और बढ़ाया। मंत्री राजपूत सबसे पहले सागर पीटीसी ग्राउंड पहुंचे, तत्पश्चात राहतगढ़ के दशहरा मैदान में उन्होंने रावण दहन के भव्य कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके बाद वे जैसीनगर ब्लॉक ग्राउंड में आयोजित विशाल सांस्कृतिक दशहरा उत्सव में शामिल हुये। तीनों स्थानों पर पारंपरिक उत्साह और श्रद्धा के साथ रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस अवसर पर मंत्री राजपूत ने जनसमूह को संबोधित करते हुये कहा कि विजयदशमी का पर्व असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी धर्म का पालन करने से विजय निश्चित है। कठिन संघर्ष के बाद प्राप्त श्रेष्ठ जीत ही विजयदशमी का संदेश है। उन्होंने लोगों से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आतिशबाजी ने लोगों का मन मोह लिया। स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था के लिये पुख्ता इंतजाम किये थे। मंत्री राजपूत ने आयोजकों की सराहना करते हुये इसे सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। इस अवसर पर पीटीसी ग्राउंड में स्थानीय जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, राहतगढ़ में समस्त जनप्रतिनिधि, भाजपा मंडल अध्यक्ष पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी एवं जैसीनगर में समस्त स्थानीय जनप्रतिनिधि भाजपा मंडल अध्यक्ष पदाधिकारी कार्यकर्ता सहित हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। जिन्होंने जय श्री राम की जय घोष के साथ दशहरा पर्व मनाया।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादकः पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादकः ज़ाकिर अली*
प्रबंध संपादक डॉ. योगेश दत्त तिवारी फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।